53 वर्ष पुराना दैनिक समाचार पत्र | पंजीयक-पंजीयन संख्या-25059/73(79) | डाक पंजीकरण संख्या UP/BR-195/2022-24 | Web : muzaffarnagarbulletin.co.in

न्यूनतम 26.5°c | अधिकतम 31.6 °c

मुज़फ़्फ़रनगर बुलेटिन

सम्पर्क सूत्र : 9368549219, 8077929606 | संस्थापक : स्व. उत्तम चन्द्र शर्मा | रोजाना आपकी सुबह की चाय पर

सूर्योदय - 5:27, सूर्यास्त - 7:21 | वर्ष : 53/ अंक : 191 | शनिवार, 12 जुलाई 2025 | श्रावण, कृष्ण पक्ष, द्वितीया | सम्वत् 2082 | मूल्य 3 रुपये | कुल पृष्ठ-4

अमृतवाणी

सत्य परेशान हो सकता है मगर पराजित नहीं।

यह मुज़फ़्फ़रनगर है...

अखिलेश को दोबारा मुख्यमंत्री बनने का मौका नहीं मिलेगा। वे आत्मचिंतन करें और कांवड़ियों की सेवा करें : आचार्य प्रमोद कृष्णम

आत्मचिंतन और कांवड़ियों की सेवा सत्ता का सूत्र बन भी सकते हैं.....

अभी न जाने क्या-क्या दिन देखने पड़ें इस सरकार में

कांवड़ सेवा शिविर लगाने वालों को प्रशासन की ओर से एक लाख के मुचलके का तोहफा?

मुजफ्फरनगर, 11 जुलाई (बु.)। मुजफ्फरनगर जनपद की स्थिति बड़ी ही हास्यास्पद सी हो गयी है और कौन अधिकारी कब, क्या कर दे, इसके बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता? उससे भी बड़ी बात यह है कि यह काम बिना सत्ता के विधायकों अथवा मंत्रियों को बताए बिना ही हो जाते हैं। हास्यास्पद बात यह है कि जिस सरकार के मुख्यमंत्री कांवड़ियों का उत्साह बढ़ाने के लिए स्वयं आकर मुजफ्फरनगर में हैलीकॉप्टर से गुलाब की पंखुड़ियां बरसाते हों, उसी सरकार के अधिकारी शिवभक्तों की सेवा करने वाले सेवा शिविर संचालकों पर नोटिस के कागज बरसा रहे हैं। जी हां सुनने में शायद कुछ अजीब लगा होगा, मगर सच यही है कि जो सपा के शासनकाल में नहीं हुआ, वह अब मुजफ्फरनगर के शासनकाल में हो रहा है। स्वयं सिटी मजिस्ट्रेट द्वारा चार सेवा शिविर संचालकों को एक-एक लाख रुपये का मुचलका पाबंद किया गया है। अधिकारियों के नोटिस में लिखा है कि आप दिनांक 16.07.2025 को प्रातः 10 बजे मेरे कार्यालय में उपस्थित होकर पहले तो कारण दर्शित करें कि इस अधिकारिता क्षेत्र के अन्तर्गत एक वर्ष तक शांति बनाए रखने हेतु एक लाख रुपये का एक बंधन पत्र (मुचलका) तथा इस धनराशि की दो प्रतिभूतिओं को क्यों न दाखिल करा लिया जाये। इतना ही नहीं प्रशासन के नोटिस में यह भी उल्लेख है कि आगामी कांवड़ यात्रा 2025 के दृष्टिगत शांति एवं कानून व्यवस्था भंग कर कोई अप्रिय घटना घटित कर सकता है, मौके पर शांति भंग होने की पूर्ण आशंका है। इसी के चलते अजय कुमार सिंघल पुत्र रामेश्वर दास निवासी गूदड़ी बाजार (63), जनार्दन विश्वकर्मा पुत्र ब्रह्मानन्द (68), शलभ गुप्ता पुत्र अशोक कुमार, संजय अरोरा पुत्र श्रीमोहन लाल को उक्त सभी को नोटिस दिया गया है। नोटिस प्राप्त होते ही शिविर संचालकों में हड़कम्प मच गया और संचालकों ने स्पष्ट किया कि चाहे जेल जाना पड़े, सेवा शिविर तो वे लगाकर ही रहेंगे। सेवा शिविर संचालकों ने कहा कि ऐसा तो सपा के शासन के अधिकारियों की भी हिम्मत नहीं हो पाई थी, जो अपने ही शासन में अधिकारियों की हो रही है। अब देखना यह होगा कि इन मुचलकों के आने के बाद मामले को किस तरह दबाया जाता है, क्योंकि पहले ही जनता इस शासन के नेताओं के खिलाफ चल रही है, रही सही कसर हिन्दूवादी संगठनों के नेताओं को 1-1 लाख का मुचलका पाबंद करके पूरी कर दी गयी है।

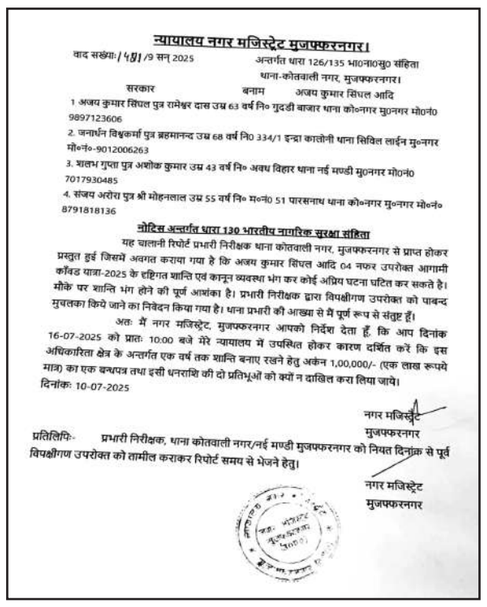

न्यायालय नगर मजिस्ट्रेट मुजफ्फरनगर।

वाद संख्याः/ 481 /9 सन् 2025 — अन्तर्गत धारा 126/135 भा0ना0सु0 संहिता

थाना-कोतवाली नगर, मुजफ्फरनगर।

सरकार बनाम अजय कुमार सिंघल आदि

1 अजय कुमार सिंघल पुत्र रामेश्वर दास उम्र 63 वर्ष नि० गुदडी बाजार थाना को०नगर मु0नगर मो0नं0 9897123606

2. जनार्धन विश्वकर्मा पुत्र ब्रहमानन्द उम्र 68 वर्ष नि0 334/1 इन्द्रा कालोनी थाना सिविल लाईन मु०नगर मो०नं०-9012006263

3. शलभ गुप्ता पुत्र अशोक कुमार उम्र 43 वर्ष नि० अवध विहार थाना नई मण्डी मु0नगर मो0नं0 7017930485

4. संजय अरोरा पुत्र श्री मोहनलाल उम्र 55 वर्ष नि० म०नं0 51 पारसनाथ थाना को०नगर मु०नगर मो०नं० 8791818136

नोटिस अन्तर्गत धारा 130 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता

यह चालानी रिपोर्ट प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली नगर, मुजफ्फरनगर से प्राप्त होकर प्रस्तुत हुई जिसमें अवगत कराया गया है कि अजय कुमार सिंघल आदि 04 नफर उपरोक्त आगामी कॉवड यात्रा-2025 के दृष्टिगत शान्ति एवं कानून व्यवस्था भंग कर कोई अप्रिय घटना घटित कर सकते है। मौके पर शान्ति भंग होने की पूर्ण आशंका है। प्रभारी निरीक्षक द्वारा विपक्षीगण उपरोक्त को पाबन्द मुचलका किये जाने का निवेदन किया गया है। थाना प्रभारी की आख्या से मैं पूर्ण रूप से संतुष्ट हूँ।

अतः मैं नगर मजिस्ट्रेट, मुजफ्फरनगर आपको निर्देश देता हूँ कि आप दिनांक 16-07-2025 को प्रातः 10:00 बजे मेरे न्यायालय में उपस्थित होकर कारण दर्शित करें कि इस अधिकारिता क्षेत्र के अन्तर्गत एक वर्ष तक शान्ति बनाए रखने हेतु अकंन 1,00,000/- (एक लाख रूपये मात्र) का एक बन्धपत्र तथा इसी धनराशि की दो प्रतिभूओं को क्यों न दाखिल करा लिया जावे।

दिनांकः 10-07-2025

नगर मजिस्ट्रेट
मुजफ्फरनगर

प्रतिलिपिः- प्रभारी निरीक्षक, थाना कोतवाली नगर/नई मण्डी मुजफ्फरनगर को नियत दिनांक से पूर्व विपक्षीगण उपरोक्त को तामील कराकर रिपोर्ट समय से भेजने हेतु।

नगर मजिस्ट्रेट
मुजफ्फरनगर

क्या भाजपा शासन में भी कांवड़ सेवा शिविर नहीं लगने देना चाहता प्रशासन

मुजफ्फरनगर। कांवड़ सेवा शिविर लगाने वाले चार-चार संचालकों को एक-एक लाख के मुचलका पाबंद के नोटिस देने के बाद कई नए सवाल खड़े हो गए हैं। पहला सवाल तो यही खड़ा हुआ है कि बिना सत्ताधारियों को बताए उक्त नोटिस कैसे जारी किया जा सकता है? नगर के अंदर ही एक नहीं सत्ता के दो-दो मंत्री मौजूद हैं। स्वयं राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल व कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार इसी जनपद से विधायक चुनकर राज्य सरकार में मंत्रियों के पद पर हैं। दूसरा सवाल यह खड़ा होता है कि आखिर कैसे हो सकता है कि योगी शासन में कांवड़ सेवा शिविर संचालकों को ही एक एक लाख का मुचलका पाबंद किया जाये। इन नोटिसों से ऐसा प्रतीत हो रहा है कि जैसे प्रशासन की मंशा शिविर लगवाने की नहीं है। वे इन शिविरों में अपना योगदान तो क्या करते, उल्टा तरह-तरह के सवाल जवाबों और कानूनी पचड़ों में उन्हें उलझाकर शिविर संचालकों को मानसिक व आर्थिक प्रताड़ित करने की भरपूर कोशिश की जा रही है। कभी किसी शिविर को परमीशन न देने के विभिन्न प्रकार के बहाने बनाए जा रहे हैं तो अब शिविर संचालकों को नोटिस थमाकर साफ दर्शा दिया गया कि मुजफ्फरनगर में कांवड़ सेवा शिविरों को बंद कराने की नई योजना बनाई जा रही है।

पारिवारिक परेशानियों से तंग आकर बुजुर्ग दम्पती ने मौत को गले लगाया

मुजफ्फरनगर, 11 जुलाई (बु.)। शुक्रवार को दोपहर के समय एक ऐसी घटना सामने आई, जिसने आम आदमी को झकझोरकर रख दिया। अपने समय में धन्नासेठ रहे 65 वर्षीय अशोक गोयल व उनकी पत्नी 62 वर्षीय पुष्पा गोयल के शव आज पुरानी गुड़ मंडी स्थित किराये के आवास पर पड़े मिले। इस बात का पता तब चला जब एक युवक उनके मकान में किसी काम से ऊपर गया था। बहुत देर तक दरवाजा न खुलने के बाद इसकी सूचना उक्त युवक व क्षेत्र के लोगों द्वारा जब पुलिस को दी गयी तो पुलिस मौके पर पहुंची और मकान की छत पर पहुंचकर मम्टी का दरवाजा तोड़कर बुजुर्ग दम्पती के शवों को बाहर निकाला। पुलिस का बताना है कि मौके पर पुलिस को सल्फास का रैपर व गिलास रखा मिला। इसी से प्रतीत हो रहा है कि वृद्ध दम्पती ने अपने जीवन से तंग आकर आत्महत्या जैसी घटना को अंजाम दिया है। पुलिस द्वारा मौके पर फोरेसिंक टीम को बुलाया गया। पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद बुजुर्ग दम्पती के शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। आपको बता दें कि अशोक गोयल अपने समय का प्रतिष्ठित नाम हुआ करता था। इनकी गुड़ की फर्म होने के साथ-साथ करोड़ों रुपये की सम्पत्ति भी थी। मगर समय का पहिया कब कैसे घूम जाए, इसका पता नहीं चलता। धीरे-धीरे घर में दुख आता गया और आर्थिक तंगी आने के साथ-साथ कुदरत ने छह माह पहले उनसे उनका एक छोटा बेटा अभिनव भी छीन लिया। अशोक गोयल के दो पुत्रों, जिनमें से एक बेटे अभिनव का बीमारी के चलते निधन हो गया तथा दूसरा पुत्र अनुभव व्यापार में घाटा होने के बाद गुड़गांव में अपनी पत्नी के साथ रहता है और एक प्राइवेट कम्पनी में नौकरी करता है। आज जब अशोक गोयल व उनकी पत्नी के निधन का समाचार लोगों के बीच पहुंचा तो शोक की लहर व्याप्त हो गयी और सभी ने दुख जताते हुए एक ही बात कही कि समय का वास्तव में कुछ नहीं पता। एक समय में कई जमीनों के मालिक और बड़े कारोबारी को किस तरह से बीमारियों और परेशानियों ने घेर लिया कि आज अपने आप ही अपनी जीवनलीला वृद्ध दम्पती को समाप्त करनी पड़ी। अशोक गोयल बिलासपुर के रहने वाले थे, इसीलिए वे बिलासपुर के नाम से ही मशहूर थे।

कैंसर व शुगर की बीमारियों से जूझ रहे थे दम्पती

मुजफ्फरनगर। बताया जाता है कि अशोक गोयल पिछले दो सालों से कैंसर की बीमारी से लड़ रहे थे और उनकी पत्नी पुष्पा गोयल शुगर की मरीज थी। माना जा रहा है कि दोनों दम्पती बीमारियों से लड़-लड़कर जीवन से हार मान गए। क्योंकि कैंसर जैसी बीमारी में बहुत महंगा खर्च आता है और पहले से ही आर्थिक तंगी से जूझ रहे दम्पती ने इस बात से ही हार मानकर आत्महत्या का रास्ता चुन लिया।

घर का फोन रिसीव न होने पर पुत्र ने दी नई मण्डी पुलिस को सूचना

मुजफ्फरनगर। नई मण्डी थाना प्रभारी ने बताया कि अशोक गोयल का पुत्र उनके पास सुबह के समय हरेक दिन कॉल करके उनकी कुशलक्षेम जानता था, शुक्रवार को जब उसने अपने घर कॉल किया तो कई कॉल करने के बाद भी फोन रिसीव नहीं हुआ। इसी के चलते उसे किसी अनहोनी होने की आशंका हुई तो उसने नई मण्डी पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटना का खुलासा हुआ।

ऑपरेशन सिंदूर पर पहली बार बोले एनएसए डोभाल, एक पत्ता नहीं हिला सका है पाकिस्तान

नई दिल्ली, 11 जुलाई (एजेंसी)। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने ऑपरेशन सिंदूर पर पहली बार कोई बयान दिया है। उन्होंने कहा कि कई विदेशी मीडिया ने पाकिस्तान के पक्ष में जो दिखाया सब कुछ उससे उल्ट था। उन्होंने कहा कि विदेश मीडिया कोई भी फोटो या सैटेलाइट इमेज नहीं दिखा पाया। ना यह बता पाया कि नुकसान क्या हुआ। डोभाल ने यह बात शुक्रवार को आईआईटी मद्रास के 62वें दीक्षांत समारोह में कही। आपको बता दें कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकी हमला हुआ था। आतंकियों ने 26 टूरिस्ट्स की हत्या कर दी थी। इसके जवाब में भारत ने 7 मई को पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर पाकिस्तान में मौजूद 9 आतंकी ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की थी। इस दौरान सेना ने 100 आतंकी मार गिराए थे। दोनों देशों के बीच 10 मई की शाम 5 बजे से सीजफायर पर सहमति बनी थी। डोभाल ने कहा, 'टेक्नोलॉजी और वॉरफेयर के बीच संबंध हमेशा महत्वपूर्ण होता है। हमें ऑपरेशन सिंदूर पर नाज है। हमें गर्व है कि इस दौरान हमने स्वदेशी तकनीक इस्तेमाल की। हमने सीमापार नौ पाकिस्तानी ठिकानों पर हमले का फैसला किया था। इनमें एक भी ठिकाना बॉर्डर के पास नहीं था। हमारे सभी निशाने सटीक थे। हमने सिर्फ आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद किया।

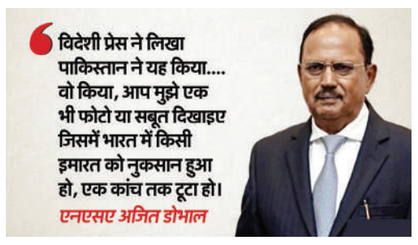

बोल-बम, बम-बम जयघोष के बीच किया जलाभिषेक

शिवचौक समेत शिव मंदिरों में भी गूंजते रहे बाबा के जयकारें

मुजफ्फरनगर, 11 जुलाई (बु.)। बोल-बम, बम-बम के जयघोष के साथ शुक्रवार को सावन माह के पहले दिन रिमझिम बौछारों के बीच नगर के हृदय स्थल शिवचौक समेत अन्य सभी शिव मंदिरों में अलसुबह से तमाम शिव भक्तों की लंबी कतारें देखने को मिली। देश-प्रदेश के साथ नगर मुख्यालय और गांव-देहात तक शुक्रवार को घर-परिवार की खुशहाली के लिए शिव भक्तों ने बाबा की पूजा अर्चना करने के साथ श्रावण मास के पहले दिन शिवालयों में जलाभिषेक किया। इस दौरान शिवभक्तों ने भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए शिवलिंग पर अभिषेक करते हुए बेल पत्र, भांग, धतूरा और मिष्ठान अर्पित करने के साथ पूजा अर्चना की। शिवचौक पर सुबह से भक्तों के साथ-साथ शहर में आने वाले कांवडियों ने भी ऐसे में शिवचौक की परिक्रमा करके जलाभिषेक किया। वहीं नगर में गली-मौहल्लों के मंदिरों में शिवभक्तों की लंबी कतारें लगी रही। सुरक्षा कारणों से पुलिस ने वाहनों को इस मार्ग पर प्रवेश रोके रखा। शुक्रवार को श्रावण माह के आगाज के बीच नगर मुख्यालय से गांव-देहात तक बोल-बम की धूम दिखाई दी। इस दौरान नगर मुख्यालय पर शिवचौक के साथ अन्य मंदिरों में बाबा भोलेनाथ की पूजा-अर्चना को मंदिरों में भीड़ देखने को मिली। शिव चौक समेत अन्य मंदिरों में सावन माह के पहले दिन गांधी कौलोनी में स्थित अनन्तेश्वर महादेव मंदिर, अंसारी रोड स्थित भौरो वाला मंदिर, नदी घाट स्थित आत्मबोध मंदिर, पौराणिक श्री दुर्गा मंदिर के अलावा कृष्णापुरी, शिवपुरी, आनन्दपुरी, इन्दिरा कॉलोनी, केवलपुरी, कच्ची सड़क, साकेत, ब्रह्मपुरी, आर्यपुरी, नई मंडी, गांधी कॉलोनी, नुमाईश कैंप समेत शहर के तमाम शिवालयों व मंदिरों में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर शिवलिंग पर जलाभिषेक करते हुए बाबा को इस बीच फल, फूल, बेलपत्र के पत्ते, भांग, धतूरा आदि अर्पित कर रोली चंदन का तिलक लगाया और धूप-दीप जलाकर आरती भी की गई। सुरक्षा कारणों से इस बीच शिवचौक समेत अन्य मंदिरों में पुलिस बल की मौजूदगी के साथ अन्य क्षेत्रों में पुलिस की गश्त जारी रही।

यह इमारत जर्जर है, टंगे बोर्ड एकाएक पालिका ने उतार दिये

मुजफ्फरनगर, 11 जुलाई (बु.)। नगर पालिका के नाम से नगर के शिवचौक स्थित गोल मार्किट व एसडी मार्किट पर दो बोर्ड मोटे अक्षरों में लगे दिखाई दिये, जिन पर साफ लिखा था कि यह इमारत जर्जर है। कृपया इसके नीचे विश्राम न करें और न ही छत के ऊपर खड़े हों। मगर बड़ी हैरानी की बात यह है कि जिन बोर्डों पर यह सूचना लिखी थी उन्हीं बोर्डों के ऊपर लोग खड़े हुए साफ तौर पर दिखे। आम जनता ये सवाल कर रही थी कि जब यह दोनों भवन पालिका ने जर्जर घोषित कर दिये हैं तो फिर किस बात का रिस्क लेकर इन भवनों पर कारोबार तो हो ही रहे हैं, साथ ही साथ हजारों लोग प्रतिदिन एसडी मार्किट के प्रथम तल व सैकड़ों लोग गोल मार्किट के प्रथम तल पर जाते हैं। यदि यह बिल्डिंग ढह गयी तो कौन जिम्मेदार होगा। इस मामले में मुजफ्फरनगर बुलेटिन द्वारा जब नगर मजिस्ट्रेट और पालिका ईओ प्रज्ञा सिंह से बातचीत की गयी तो दोनों ने मिलकर तत्काल बोर्ड हटाने के निर्देश जारी किये और कहा कि नियमों के अनुसार इस तरह के कोई बोर्ड नहीं लगाए जा सकते, यह कार्य एमडीए का है। जब तक एमडीए इस बात की घोषणा नहीं कर देती, उक्त बोर्ड अमान्य हैं। यह कहकर हाथोंहाथ बोर्ड हटवाए गए और ईओ का कहना था कि अभी यह जानकारी नहीं मिल रही कि उक्त बोर्ड पालिका की बिना अनुमति के आखिर किसने लगा दिये। इसकी जांच पालिका कर रही है।

मेरठ शिव मंदिर में हड्डियां मिलने से फैली सनसनी, काले जादू का शक

मेरठ, 11 जुलाई (एजेंसी)। पल्लवपुरम थाना क्षेत्र के अंतर्गत मोदीपुरम स्थित रोशनी कुंज कॉलोनी स्थित शिव मंदिर में उस समय हड़कंप मच गया, जब सुबह की पूजा के दौरान मंदिर परिसर में एक छोटी हड्डी, चावल और रोली मिली। मंदिर के पुजारी शंकर ने बताया कि जब वह मंदिर पहुंचे, तो पूजा की किताब के ऊपर यह संदिग्ध वस्तुएं रखी हुई थीं। स्थानीय लोगों ने तंत्र क्रिया की आशंका जताते हुए जमकर हंगामा किया और प्रशासन से कड़ी कार्रवाई की मांग की। घटना की जानकारी मिलते ही सीओ दौराला प्रकाश चंद्र अग्रवाल मौके पर पहुंचे और लोगों को आश्वासन दिया कि जो कोई भी मंदिर की पवित्रता को भंग करने और माहौल बिगाड़ने की कोशिश कर रहा है, उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अब मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह कृत्य किसने किया। पूरे इलाके में सुरक्षा और शांति बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

जनता में विश्वास कायम रखने के लिए सड़कों पर उतरे भाजपाई, घर बैठे रहे सपाई

रामलीला टिल्ला, लद्दावाला, शाहबुद्दीनपुर रोड के साथ-साथ कई इलाकों का नगर मजिस्ट्रेट, ईओ आदि को साथ लेकर किया भ्रमण, सुनी समस्याएं

मुजफ्फरनगर, 11 जुलाई (बु.)। पिछले 30 जून से सिर्फ भाजपा नेताओं की ही नहीं, जबकि विपक्ष में कुर्सी में बैठे नेताओं की भी जमकर किरकिरी हो रही है। दरअसल बारिश में जलभराव के जो नजारे 30 जून और 9 जून की रात को देखे गये, वो पिछले 20-30 वर्षों में नौजवानों ने तो क्या बुजर्गों ने भी नहीं देखे। 3 से 5 फुट का जलभराव किसी एक मौहल्ले में नहीं, शहर की हर गली में दिखाई दिया। इतना ही नहीं इस बार रविवार की रात हुई बारिश के कहर से व्यापारियों को करोड़ों की चपत लग गई। सड़कों पर विकास तो तैरा नहीं, बल्कि दुकानदारों के करोड़ों के जूते चप्पल, स्टेशनरी, रजिस्टर, सूट साड़ी, दुपट्टा यहां तक कि इलेक्ट्रोनिक सामान तैरते दिखाई दिये।

खैर यह सब बातें उनके लिये बेमानी है, जिनको यह नुकसान दिखेगा भी तो वह कुछ कर नहीं पाएंगे। दर्द तो उसी को होगा, जिनका लाखों रुपया पानी में डूब गया और अपने ही सामान को पानी में डूबा देखा, उनका दिल भर आया और आंखें नम हो गई। मगर फिर भी ऐसे में शुक्रवार को सत्ताधारियों का एक कदम जनता को अच्छा लगा कि बेशक जनता ने उन्हें खरी-खोटी सुनाई और अपने दिल में भरा हुआ गुबार निकाल दिया। नेताओं ने कुछ जनता की सुनी कुछ अपनी बात रखी। शायद इसी बात से थोड़ा बहुत मरहम जनता के दिलों को लग जाएगा। हालांकि मुजफ्फरनगर की जनता साफ तौर पर कहती हुई दिखाई पड़ती है कि इस बार 2027 के चुनाव में सिर्फ सत्ता धारियों को ही नहीं विपक्ष के नेताओं को भी मजा चखाएंगे या तो मतदाता घर बैठ जाएंगे या फिर मतगणना स्थल पर पहुंचकर नोटा दबाएंगे, नोटा मतलब अब हमें कोई नेता पसंद नहीं है। जी हां आज इस जिले के

शेष : पृष्ठ-4 पर

बैरिकेडिंग के बूते दो हिस्सों में बंटा शहर, मुख्य रास्ते हुए बंद

कांवड़ियों की सुविधा के लिए वन-वे हुआ नगर का मुख्य मार्ग

मीनाक्षी चौक एवं अस्पताल चौक पर क्रॉसिंग जाम का कारण

मुजफ्फरनगर, 11 जुलाई (बु.)। श्रावण माह के आगाज के साथ शुक्रवार को पहले दिन से बारिश के साथ कई चुनौतियों का सामना कर रहे लोगों को जाम के झाम ने बेहाल कर दिया है। इस बीच कई दौर की रिमझिम बारिश से बेहाल लोगों के सड़कों पर निकलते ही कांवड़ यात्रा के लिए प्रशासन के रूट डायवर्जन से मुख्य मार्ग बंद हो जाने के कारण शहर में मुख्य मार्गों से लेकर गली-मौहल्लों तक लोगों को जाम से जूझना पड़ रहा है, वहीं अस्पताल चौराहे के निकट कूड़ा डलावघर वाले मार्ग पर बुरा हाल रहा।
हाईवे से नगर की सड़कों तक शुक्रवार को बोल-बम, बम-बम के जयघोष से श्रावण माह के पहले दिन से पाबंदियां शुरू होने से हाईवे पर बीती रात्रि से भारी वाहनों का आवागमन बंद हो गया है, वहीं नगर क्षेत्र में कांवड़ मार्ग पर जिला अस्पताल चौराहे से मीनाक्षी चौक तक मेरठ रोड की ओर जाने वाली साइड को इस बीच वाहनों के आवागमन के लिए बंद कर दिया गया। नगर क्षेत्र को दो भागों में बांटे जाने के साथ रुड़की रोड वाली साइड से आवागमन अभी जारी रखा गया है। इसके साथ नगर क्षेत्र में जिला अस्पताल व मीनाक्षी चौक को क्रॉसिंग प्वाइंट बनाए जाने से यातायात का दबाव दो चौराहों पर ही रह गया है। इससे यातायात व्यवस्था बेपटरी होने के साथ मुख्य बाजार से गली-मौहल्लों तक हर जगह जाम रहा। ऐसे में घास मंडी, अंसारी रोड, रुड़की रोड के साथ मौहल्लों की छोटी गलियों में जाम की स्थिति रही। श्रावण माह के पहले दिन हुई रिमझिम बारिश में लोगों को जहां राहत रही, वहीं भोले अपने गंतव्य की ओर तेजी से बढ़ते रहे। शुक्रवार में पहले दिन भारी भरकम कांवड़ों के बीच झूला कांवड़ व महिला, बच्चों व बुजुर्गों की आमद भी इस बीच देखने को मिली। वहीं दूसरी ओर सुबह और सायं को इन दोनों क्रॉसिंग पाईंटों पर ऐसे में लोगों को घंटों जाम में फंसा रहना पड़ा। अस्पताल चौराहे के पास बने कूड़ा डलावघर मार्ग पर कूड़ा पड़े रहने और लद्धावाला की ओर जाने वाले उक्त मार्ग को बेरिकेडिंग करके आवागमन के लिए बंद करने से लोगों को गन्दगी व कूड़े के ढेरों के बीच से गुजरना पड़ा। वहीं मुख्य मार्ग से गुजरने वाले कांवड़िये भी इसी गन्दगी के बीच से होकर गुजरने को विवश हैं।

दिल्ली, एनसीआर में भी महसूस किए भूकंप के झटके, दो दिन में दूसरी बार डोली धरती

नई दिल्ली, 11 जुलाई (एजेंसी)। शुक्रवार की शाम करीब 7:51 बजे दिल्ली-एनसीआर के कई शहरों में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.7 रहा और इसका केंद्र हरियाणा का ही फिर से झज्जर रहा। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार, भूकंप की गहराई 10 किलोमीटर थी और इसका अक्षांश 28.68 डिग्री उत्तर तथा देशांतर 76.72 डिग्री पूर्व था। यह इस हफ्ते दूसरी बार है जब राजधानी दिल्ली और इसके आस-पास के इलाकों में जमीन हिलती महसूस की गई। इससे पहले गुरुवार सुबह 9:04 बजे भी झज्जर के पास रिक्टर स्केल पर 4.4 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसका प्रभाव दिल्ली, गुरुग्राम, फरीदाबाद, रोहतक, हिसार, पानीपत और मेरठ तक महसूस किया गया था।

मोहन भागवत के 75 की उम्र वाले बयान पर हुई राजनीति तेज

नई दिल्ली, 11 जुलाई (एजेंसी)। संघ प्रमुख मोहन भागवत के उस बयान को लेकर सियासत गरमा गई है, उन्होंने कहा कि 75 साल की उम्र के बाद व्यक्ति को रिटायर हो जाना चाहिए। विपक्ष इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर इशारों में हमला मान रहा है, क्योंकि मोदी इस साल सितंबर में 75 साल के हो जाएंगे। हालांकि, संघ के पदाधिकारियों ने इस बयान का कोई राजनीतिक मतलब होने से इनकार किया है। बुधवार को दिवंगत फरर विचारक मोरोपंत पिंगले पर आधारित एक किताब के विमोचन कार्यक्रम में मोहन भागवत ने एक किस्सा सुनाते हुए कहा कि जब आप 75 साल के हो जाएं, तो समझिए कि अब रुक जाना चाहिए। संघ प्रमुख ने यह भी कहा कि मोरोपंत पिंगले ने पूरा जीवन देशसेवा में लगाया, लेकिन एक उम्र के बाद सम्मानपूर्वक पीछे हटने में विश्वास रखते थे। अधिकतर भाषण मराठी में था, लेकिन 75 की उम्र में रिटायरमेंट वाली बात भागवत ने हिंदी में कही। जैसे ही यह बयान आया, विपक्ष ने इसे पीएम मोदी पर छिपा हमला करार दे दिया। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने एक्स पर हिंदी में तंज कसते हुए लिखा, बेचारे अवार्ड-जीवी प्रधानमंत्री! कैसी घर वापसी है ये- लौटते ही सरसंघचालक के द्वारा याद दिला दिया गया कि 17 सितंबर 2025 को वे 75 साल के हो जाएंगे, लेकिन प्रधानमंत्री सरसंघचालक से भी कह सकते हैं कि -वे भी तो 11 सितंबर 2025 को 75 के हो जाएंगे! एक तीर, दो निशाने!

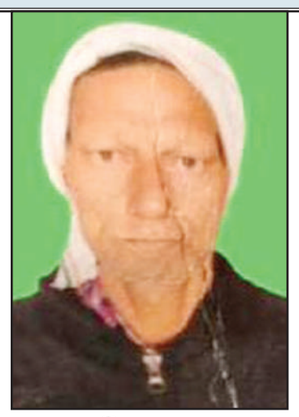

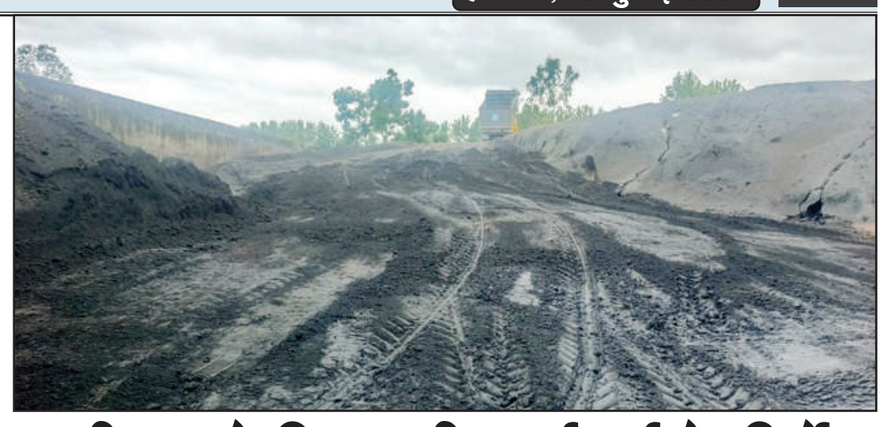

नगला बुजुर्ग में प्रदूषण का विकराल रूप, कैंसर ने फिर ली जान; एसडीएम ने दिए कड़ी कार्रवाई के निर्देश

- एक और कैंसर पीड़ित मुनासिफ की मौत से गांव में दहशत का माहौल
- एसडीएम जानसठ ने नगला बुजुर्ग पहुंचकर जाना गांव का हाल, काली राख देख भड़के
- प्रदूषण फैलाने वाली औद्योगिक इकाइयों को नोटिस जारी करने के निर्देश
- स्वास्थ्य विभाग की टीम ने भी की थी पुष्टि, गांव में जल्द लगेगा व्यापक जांच शिविर

भोपा, 11 जुलाई (बु.)। नगला बुजुर्ग गांव में प्रदूषण जनित गंभीर बीमारियों, खासकर कैंसर, से हो रही मौतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। आज फिर एक कैंसर पीड़ित मुनासिफ की मौत हो गई, जिससे ग्रामीणों में और गहरा डर व्याप्त हो गया है। इसी बीच, मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीएम जानसठ आज नगला बुजुर्ग गांव पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। एसडीएम ने गांव में फैली काली राख की भारी मात्रा को देखकर नाराजगी व्यक्त की और तत्काल दोषियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए। मुजफ्फरनगर के भोपा थाना क्षेत्र के नगला बुजुर्ग गांव में प्रदूषण का विकराल रूप लगातार जिंदगियां लील रहा है। ग्रामीण लंबे समय से प्रदूषण के कारण फैल रही गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हैं, लेकिन शासन-प्रशासन की कथित अनदेखी अब भी जारी है। गौरतलब है कि एक दिन पहले ही प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मोरना के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रणव तेवतिया के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की एक टीम ने नगला बुजुर्ग का दौरा किया था। टीम ने अपनी जांच में पाया था कि गांव में बड़ी संख्या में लोग कैंसर के साथ-साथ लीवर और फेफड़ों से संबंधित बीमारियों से भी पीड़ित हैं। स्वास्थ्य विभाग ने प्रदूषण को इन बीमारियों का मुख्य कारण बताया था और जल्द ही गांव में दो दिवसीय व्यापक स्वास्थ्य जांच शिविर लगाने और सभी निवासियों के रक्त के नमूने लेने की बात कही थी। गांव के लोग लंबे समय से शिकायत कर रहे हैं कि फैक्ट्रियों की काली राख और जहरीले पानी ने उनके जीवन को नरक बना दिया है। प्रदूषित हवा और पानी के कारण बीमारियां बढ़ रही हैं। ग्रामीणों को उम्मीद है कि अब प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की सक्रियता से इस गंभीर समस्या का स्थायी समाधान निकल पाएगा और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होगी। एसडीएम ने अधिकारियों को तत्काल निर्देश दिए कि इस प्रदूषण को फैलाने वाली औद्योगिक इकाइयों को नोटिस जारी किए जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि इस संबंध में क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण अधिकारी को विस्तृत रिपोर्ट और आवश्यक कार्रवाई के लिए पत्र लिखा जाएगा। एसडीएम ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि प्रशासन इस गंभीर समस्या के समाधान के लिए हर संभव कदम उठाएगा।

एक और मौत से गहराया डर

भोपा, 11 जुलाई (बु.)। आज एक बार फिर गांव में मातम पसर गया, जब कैंसर से पीड़ित मुनासिफ की मौत हो गई।

ग्रामीणों ने बताया कि मुनासिफ काफी समय से कैंसर से जूझ रहे थे और आज उनका निधन हो गया। इस घटना से गांव में दहशत का माहौल और भी गहरा गया है। पिछले एक साल में गांव में कैंसर और लीवर-फेफड़ों से संबंधित बीमारियों से दर्जनों लोगों की जान जा चुकी है, जिससे हर घर में खौफ का साया मंडरा रहा है।

एसडीएम जानसठ ने लिया जायजा, काली राख देख भड़के

भोपा, 11 जुलाई (बु.)। गांव में प्रदूषण की भयावह स्थिति और लगातार हो रही मौतों की सूचना के बाद एसडीएम जानसठ आज नगला बुजुर्ग पहुंचे। उन्होंने गांव का दौरा कर ग्रामीणों से बातचीत की और वस्तुस्थिति का जायजा लिया। एसडीएम ने गांव में चारों ओर फैली काली राख और औद्योगिक कचरे के ढेर देखकर अपनी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि इस प्रदूषण के लिए जिम्मेदार लोगों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

चकबंदी विभाग की समस्याओं को लेकर पंचायत संपन्न, अधिकारियों को मौके पर बुलाया गया

चरथावल, 11 जुलाई (बु.)। गांव रोनी हरजीपुर में ठाकुर ओमपाल सिंह के आवास पर ग्रामीणों की पंचायत हुई, जिसकी अध्यक्षता सूबेदार ठाकुर ओमपाल सिंह ने की और संचालन ठाकुर बृजपाल सिंह ने किया। पंचायत में भारतीय किसान यूनियन के नेता व जिला पंचायत सदस्य विकास शर्मा मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। पंचायत में ग्राम पीपलशाह में चल रही चकबंदी को लेकर हो रहे विवाद पर चर्चा हुई, जिसमें ग्राम रोनी हरजीपुर के भी करीब सैकड़ों किसानों की भूमि चकबंदी प्रक्रिया में शामिल हैं। बार-बार अधिकारियों को अवगत कराने पर भी किसानों के नक्शा-23 के आधार पर रकबे पूरे नहीं किए गए। आज उसी कड़ी में ग्राम रोनी हरजीपुर में एक पंचायत रखी गई, जिसमें दूरभाष द्वारा बड़े अधिकारियों से संपर्क किया गया और मौके पर चकबंदी सीओ रामकेश कटारिया व एसीओ शिल्पी बरवाल, पुष्पेंद्र शर्मा, पटवारी तरुण कुमार, कानूनगो, मेनपाल कानूनगो, शाहिद, चौकी प्रभारी जोगिंदर सिंह ढिल्लों फोर्स के साथ पंचायत स्थल पर पहुंचे और किसानों की समस्याओं को सुना। काफी मुद्दों पर सहमति बनने के बाद अधिकारियों

द्वारा बरसात में ही खेतों में जाकर सीमा विवाद का सर्वे किया गया और 15 तारीख तक समाधान का आश्वासन दिया। इस मौके पर जयकरण राणा, संजू राणा, अंकित राणा, विजयपाल, ठाकुर सोम प्रकाश राणा, राकेश पुंडीर, बाबू अली, आबाद राणा, सौरभ चौहान, राम भूल सिंह सहित सैकड़ों किसान मौजूद रहे। भाकियू नेता विकास शर्मा द्वारा अधिकारियों को चेताया कि अगर जल्द से जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो जल्दी चकबंदी अधिकारियों के घेराव होगा, जिसकी जिम्मेदारी सिर्फ और सिर्फ चकबंदी विभाग की होगी।

मेधावियों को किया जिला पंचायत सभागार में सम्मानित

मुजफ्फरनगर, 11 जुलाई (बु.)। जिला पंचायत सभागार में आयोजित बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत जिले की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को सम्मानित किया गया। इस दौरान प्रथम दस सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को प्रतीक चिन्ह, चेक एवं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कैलेंडर प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। इस कार्यक्रम में 12वीं कक्षा की छात्रा अवनी सैन को जनपद में प्रथम स्थान प्राप्त किए जाने पर उन्हें विशेष रूप से सम्मानित किया गया, जो कि अन्य छात्राओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को प्रतीक चेक प्रदान किए गए, जिसमें अवनी सैन को 20,000 रुपए का चेक एवं अन्य सभी छात्राओं को 5,000 रुपए के चेक प्रदान किए गए। इस दौरान शपथ समारोह का भी आयोजन किया गया, जिसमें सभी उपस्थित छात्राओं, अभिभावकों व अफसरों को नारी सशक्तिकरण, शिक्षा के प्रति समर्पण एवं सामाजिक दायित्वों के निर्वहन की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. वीरपाल निर्वाल, मुख्य विकास अधिकारी कंडारकर कमल किशोर देशभूषण, जिला प्रोबेशन अधिकारी संजय कुमार, डीआई ओएस राजेश श्रीवास, बीएसए संदीप कुमार, थाना प्रभारी संगीता चौधरी, कोऑर्डिनेटर शिवांगी, रेणु सिंह, शुभम, नीना त्यागी आदि मौजूद रहीं।

जानसठ के पंजाब नेशनल बैंक में दलालों का बोलबाला, शाखा प्रबंधक अपने केबिन से रहते हैं दिनभर गायब

-बैंक के ग्राहकों ने बैंक के उच्च अधिकारियों को शिकायती पत्र भेजकर स्थानीय शाखा प्रबंधक की जांच कराकर कार्रवाई की मांग की है।

जानसठ, 11 जुलाई (बु.)। कस्बे के पंजाब नेशनल बैंक में दलालों का पूरी तरह से बोलबाला है। बैंक के ग्राहकों का दलाल मोटी रकम लेकर उनका कार्य करते हैं। इसके अलावा शाखा प्रबंधक अपने केबिन में नहीं बैठते और दिनभर गायब रहते हैं, जिससे बैंक के ग्राहक परेशान रहते हैं। इतना ही नहीं ग्राहकों से शाखा प्रबंधक अभद्र व्यवहार करते हैं। बैंक के अंदर की सीसीटीवी फुटेज के द्वारा यदि जांच की जाए, तो पूरा नजारा अपने आप सामने आ जाएगा। ग्राहकों ने बैंक के उच्च अधिकारियों को शिकायत भेज कर जांच कराए जाने की मांग की है। गांव अहरोड़ा के रहने वाले मंगल सिंह का कहना है कि उसकी पंजाब नेशनल बैंक में 7 एफडीआर की मैच्योरिटी होनी थी, लेकिन पिछले दो माह से वह बैंक के लगातार चक्कर काट रहा है। इसके बावजूद भी उसका कार्य नहीं हो पाया। वह जब भी बैंक में जाते हैं, तो शाखा प्रबंधक अपने केबिन से गायब मिलते हैं। शुक्रवार को मंगल सिंह अपने कार्य के लिए पंजाब नेशनल बैंक पहुंचे, तो शाखा प्रबंधक अपने केबिन में मौजूद नहीं था। इतना ही नहीं 2 घंटे तक जब शाखा प्रबंधक नहीं पहुंचे, तो उन्होंने बैंक कर्मचारियों से शिकायती रजिस्टर मांगा, जिस पर बैंक कर्मचारियों ने आनाकानी कर दी। शिकायती रजिस्टर मांगने की बात किसी तरह से शाखा प्रबंधक को मालूम लगी, तो वह तुरंत अपने केबिन में पहुंचा। उसने मंगल सिंह से बातचीत की। मंगल सिंह का आरोप था कि वह पिछले दो माह से बैंक के चक्कर काट रहा है, लेकिन उसके बावजूद भी उसका अभी तक कार्य नहीं हुआ। इसके बाद मंगल सिंह ने शिकायती रजिस्टर मंगवा कर उसमें अपनी शिकायत दर्ज की। शाखा प्रबंधक का कहना है कि क्षेत्रीय कार्यालय के कर्मचारी कार्य नहीं करते हैं, जिसकी वजह से आपका कार्य नहीं हो रहा है। बता दें कि रजिस्टर पूरी तरह खाली था। उसमें एक भी शिकायत किसी की दर्ज नहीं की गई थी। सिर्फ मंगल सिंह ने ही शिकायत रजिस्टर में अपनी शिकायत दर्ज की है। इतना ही नहीं बृहस्पतिवार को गांव काटका निवासी ऋतुराज के साथ भी शाखा प्रबंधक ने अभद्र व्यवहार किया, जिसके चलते ऋतुराज ने क्षेत्रीय कार्यालय को शिकायती-पत्र भेजकर शाखा प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

आपका आज का राशिफल

शनिवार, 12 जुलाई, 2025

मेष- आकांक्षित सिद्धि में व्यतिक्रम, साहसिक प्रगति का प्रयास असफल, शत्रु हानि पहुँचाने हेतु प्रयत्नशील, नवसमस्याएँ उपस्थित, वाहन से चोट-चपेट भी संभव।

वृषभ- व्यापार में धन निवेश, अधूरे कार्यों को पूर्ति हेतु स्वजनों से सहयोग, राजकीय पक्ष से लाभान्वित, दाम्पत्य जीवन मधुर, आयोजन में सम्मिलित होने का अवसर।

मिथुन- पारिवारिक उत्तरदायित्व की पूर्ति, आय के नवीन स्रोत, स्थान परिवर्तन की दिशा में कार्यक्रम, भौतिक सुख के निमित्त अधिक व्यय, इच्छित योजना का सुपरिणाम।

कर्क- विनियोजित धन का प्रतिफल आशानुकूल प्राप्त, पुरातन विवाद का निर्णय पक्ष में होने से खुशी, किसी के माध्यम से व्यक्तिगत जीवन में नवीन उपलब्धि।

सिंह- परिस्थितियों में व्यतिक्रम, स्वास्थ्य विपरीत, लापरवाही से नुकसान, विरोधियों का वर्चस्व, पारस्परिक सम्बन्धों में कटुता, मानसिक बेचैनी, अपव्यय भी।

कन्या- नवीन योजना का श्रीगणेश, इच्छाशक्ति का विकास, व्यक्तिगत जीवन में महत्वपूर्ण घटना घटित, अकल्पित लाभ, दर्शनीय स्थलों की यात्रा का प्रसंग।

तुला- स्वविवेक से किया गया कार्य सफल, उच्चाधिकारियों से सम्पर्क का सुयोग, प्रेम सम्बन्धों में प्रगाढ़ता, आपसी समझदारी से तनाव में कमी, भौतिक सुख में वृद्धि।

वृश्चिक- कार्य व्यवसाय में उन्नति का अवसर, नवउत्तरदायित्व का निर्वाह, शिक्षा प्रतियोगिता में सफलता, दूसरों के आश्वासनों स मानसिक राहत, यात्रा सुखद।

धनु- विशेष प्रयास के बावजूद आंशिक सफलता, व्यापारिक हानि, उत्तरदायित्व की पूत में बाधा, आरोप-प्रत्यारोप की स्थिति, जीवनसाथी से कष्ट, यात्रा निष्फल।

मकर- विविध पक्षों में अनुकूलता, नवयोजना का श्रीगणेश, सद्विचारों का उदय, आमोद-प्रमोद के साधन सुलभ, नवसम्पर्क उपयोगी, अकल्पित लाभ।

कुम्भ- भाग्योन्नति के नवीन आयाम, समझदारी से लिया गया निर्णय हितकर, सुसंदेश से परिवार में हर्षोल्लास, परोपकार की भावना जागृत, मनोरंजन में रुचि।

मीन- कार्य व्यवसाय में नवपरिवर्तन, जिम्मेदारियों को निभाने में व्यय, अपने स्तर को बनाये रखने के लिए प्रयत्नशील, आपसी सलाह से कामयाबी, शत्रु परास्त।

विमल जैन, हस्तरेखा विशेषज्ञ, रत्न परामर्शदाता, फलित अंक व ज्योतिषी एवं वास्तुविद्, एस-2/1-76,ए, वर्धन भवन, द्वितीय तल, आकांक्षा हॉस्पिटल के पास, टैगोर टाऊन एक्सटेंशन (महावीर मंदिर टू यू.पी. कालिज रोड) भोजूबीर, वाराणसी-221002 मोबाइल 9335414722

संस्थापक सम्पादक एवं हमारे प्रेरणास्रोत्र स्व. उत्तमचन्द्र शर्मा

मुजफ्फरनगर बुलेटिन

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक व मुद्रक श्रीमति पूजा दुआ ने 'मुजफ्फरनगर बुलेटिन' प्रातःकालीन दैनिक 224-सिविल लाइन्स दक्षिणी, मुजफ्फरनगर को 'दैनिक बुलेटिन प्रेस' 223-सिविल लाइन्स दक्षिणी, मुजफ्फरनगर से मुद्रित कराकर 224-सिविल लाइन्स दक्षिणी, मुजफ्फरनगर से प्रकाशित किया।

सम्पादक-अंकुर दुआ

(प्रकाशक)-98370-42840, 94127-10840

(विज्ञापन)-9368549219 (नि.) 7983359929

सम्पादक-9412210257

E-mail : muzaffarnagar_bulletin@yahoo.co.in muzaffarnagar_bulletin@rediffmail.com

निर्वाचन आयोग से जारी हुआ कारण बताओ नोटिस

मुजफ्फरनगर, 11 जुलाई (बु.)। जिला निर्वाचन अधिकारी उमेश मिश्रा ने बताया है कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा-29ए के प्रावधानों के अन्तर्गत भारत निर्वाचन आयोग में पंजीकृत राज्य से जिले के 2 पंजीकृत अमान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों ने वर्ष 2019 से वर्ष 2024 के मध्य आयोग द्वारा आयोजित निर्वाचनों में एक भी चुनाव नहीं लड़ा। इसके चलते आयोग द्वारा पत्र के माध्यम से मार्क्सवादी जनता पार्टी, 33-कुन्दनपुरा एवं भारत जनता दल, तुगलकपुर ग्राम निरमानी थाना शाहपुर को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। उन्होंने बताया कि इस कारण बताओ नोटिस के सम्बन्ध में उक्त पार्टी के अध्यक्ष/महासचिव को अपना प्रत्यावेदन हलफनामा एवं सुसंगत अभिलेखों के साथ 14 जुलाई 2025 तक कार्यालय मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश, लखनऊ को उपलब्ध करा सकते हैं एवं सुनवाई हेतु नियत 21 जुलाई को मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के समय के दौरान मुख्य निर्वाचन अधिकारी के समक्ष उपस्थित हो सकते है। यदि पार्टी द्वारा कारण बताओ नोटिस के संबंध में निर्धारित तिथि के भीतर प्रत्यावेदन उपलब्ध नहीं कराया जाता, तो माना जायेगा कि पार्टी को इस मामले में कुछ नहीं कहना है और पार्टी को राजनैतिक दलों की सूची से हटाने के संबंध में मुख्य निर्वाचन अधिकारी की ओर से संस्तुति सहित प्रस्ताव भारत निर्वाचन आयोग को प्रेषित कर दिया जायेगा ।

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने झोलाछाप डॉक्टरों के विरुद्ध चलाया अभियान

जानसठ, 11 जुलाई (बु.)। डॉ. विक्रांत तेवतिया के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मीरापुर और जानसठ में कार्यरत अस्पतालों पर कार्यवाही करते हुए सील की कार्यवाही की और चिकित्सकों को नोटिस दिया। जानसठ मे स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सिटी चाइल्ड क्लीनिक, डॉ. लाल पैथलैब को सील किया। कमल नर्सिंग होम की फार्मेसी और चौधरी क्लीनिक की फार्मेसी सील की गई। मदर इंडिया नर्सिंग होम के लेबर रूम को भी सील किया गया। डॉ. विक्रांत तेवतिया ने बताया कि कुछ झोलाछाप चिकित्सक क्लीनिक पर ताला लगाकर भाग गए, लेकिन बिना रजिस्ट्रेशन चल रहे क्लीनिक सील किये जायेंगे।

कृषि काई बनाने के नाम पर बैंक कर रहे हैं किसानों का शोषण

चरथावल, 11 जुलाई (बु.)। चरथावल थाना क्षेत्र के नगला राई के एक्सिस बैंक पर किसान क्रेडिट कार्ड बनाने व बाद में अधिक रकम वसूलने के विरोध में भारतीय किसान यूनियन के नेता विकास शर्मा के नेतृत्व में अनेक किसानों ने बैंक पर पहुंचकर प्रदर्शन किया। आरोप है कि बैंक ने किसान से लाखों रुपये अधिक वसूल लिए और फिर भी बारह लाख का नोटिस भेज दिया। नोटिस पहुंचते ही किसान की हालत खराब हो गयी। चरथावल थाना क्षेत्र के गांव कुटेसरा निवासी किसान द्वारा नौ लाख का लोन लिया गया। आरोप है कि लोन देने के नाम पर किसान से पहले बीस हजार रुपये लिए गए। उसके बाद किसान से 11 लाख सत्तावन हजार रुपये जमा करा लिए। अब फिर किसान को करीब 12 लाख रुपए का नोटिस रुपये जमा करने के लिए दे दिया, जिससे किसान काफी परेशान हो गया। आरोप यह भी है कि किसान के ना चाहते हुए भी उसका एक इंश्योरेंस कर दिया, जिस पर उसे बोला कि 10 साल में आपका 10 लाख का इंश्योरेंस हो जाएगा और उसी कड़ी में रूपये 25000 इंश्योरेंस के नाम से ले लिए। रूपये 30000 किसान से कागज तैयार करने के नाम के लिए गए। बैंक द्वारा कृषि कार्ड बनाने के नाम पर ठगी करने का कार्य किया जा रहा है। इस सारे प्रकरण में शाखा पर पहुंचकर शाखा प्रबंधन से वार्ता की गई और एलडीएम मुजफ्फरनगर से भी दूरभाष द्वारा वार्ता की गई। अधिकारियों द्वारा समस्या के समाधान का आश्वासन दिया गया है। किसान नेता विकास शर्मा ने बैंक अधिकारियों को चेतावनी दी है कि अगर दो दिन में समस्या का समाधान नहीं किया जाता, तो भारतीय किसान यूनियन बैंक पर तालाबंदी कर धरना प्रदर्शन करने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि इस तरह हम लोग किसानों का शोषण नहीं होने देंगे। इस मौके पर युवा जिला अध्यक्ष ठाकुर नरेश पुंडीर, समद्ध राई, हाजी इमरान, मरगूब अली, वाजिद अली, रशीद, हारून, सत्तार, सरफराज त्यागी आदि किसान मौजूद रहे।

व्यापारियों व भाजपाईयों ने ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन तहसील अध्यक्ष राहुल शर्मा को सम्मानित किया

मीरापुर, 11 जुलाई (बु.)। उत्तर प्रदेश ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन द्वारा राहुल शर्मा को तहसील अध्यक्ष बनाए जाने पर मीरापुर के व्यापारियों व भाजपा नेताओं ने तहसील अध्यक्ष को पगड़ी, पटका व फूल मालाएं पहनाकर तथा भगवान श्री राधा-कृष्ण जी की भव्य मूर्ति भेंट कर सम्मानित किया। शुक्रवार को मीरापुर में वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ आर०के०पाराशर के आवास पर व्यापारियों व भाजपा कार्यकर्ताओं ने ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के तहसील अध्यक्ष राहुल शर्मा का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। सम्मान समारोह में सर्वप्रथम समाजसेवी डॉ आर०के०पाराशर, समाजसेवी पीयूष जैन,व्यापारी नेता विकास गोयल व मधुरबैन छाबड़ा

ने वरिष्ठ पत्रकार व प्रेस क्लब मीरापुर के अध्यक्ष तथा ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के तहसील अध्यक्ष राहुल शर्मा को पगड़ी व पटका तथा फूल मालाएं पहनाकर सम्मानित किया। इसके बाद सभी ने उन्हें भगवान श्री राधा-कृष्ण की भव्य मूर्ति भेंट की। वरिष्ठ भाजपा नेता व ब्राह्मण समाज के नेता डॉ आर०के पाराशर ने वरिष्ठ पत्रकार राहुल शर्मा को एक मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे समाजसेवी पीयूष जैन ने कहा कि राहुल शर्मा ईमानदार पत्रकार हैं और उन्होंने हमेशा निर्बल व असहाय का साथ देकर जुल्म के खिलाफ आवाज उठाई और उनकी मदद की है। वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. आर०के०पाराशर ने कहा कि राहुल शर्मा ने अपनी कार्यशैली से पत्रकारिता जगत में अपनी विशेष पहचान बनाई है। वह क्षेत्र की समस्याओं को प्रमुखता से कलम के माध्यम से उठाते हैं। तथा अपनी निष्पक्ष लेखनी से पीड़ितों की आवाज बेबाक तरीके से उठाते हैं।

कांग्रेस सांसद इमरान मसूद के खिलाफ पीएनबी गबन मामले में गैर-जमानती वारंट जारी

गाजियाबाद, 11 जुलाई (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद की एक विशेष सीबीआई अदालत ने 2007 के पीएनबी घोटाले के 40.12 लाख के मामले में कांग्रेस सांसद इमरान मसूद के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया है। यह मामला सहारनपुर नगर पालिका के ईओ द्वारा दायर किया गया था।

मसूद की आरोपमुक्ति याचिका खारिज कर दी गई। न्यायाधीश अरविंद मिश्रा ने उन्हें 18 जुलाई को अदालत में पेश होने के लिए तलब किया है। पीएनबी में 40.12 लाख रुपये की हेराफेरी के मामले में सीबीआई कोर्ट गाजियाबाद में सुनवाई चल रही है। यह मामला 2007 का है, जब ईओ नगर पालिका सहारनपुर ने केस दर्ज कराया था। सांसद इमरान मसूद की डिस्चार्ज एप्लीकेशन खारिज हो चुकी है और अब 18 जुलाई को अगली तारीख लगी है।

40 साल तक लड़ता रहा केस, कोर्ट ने की ऐसी टिप्पणी की सभी सुनकर रह गये भोचक्के

नई दिल्ली, 11 जुलाई (एजेंसी)। अगर कोई लंबे समय तक केस लड़ रहा हो फिर उसे लंबी सजा सुना दी जाये, तो यह कहां तक तर्क पूर्ण होगा। एक ऐसा मामला सामने आया, जिसने सभी को हैरान कर दिया। साल 1984 के एक भ्रष्टाचार के मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने 90 वर्षीय युवक को सजा सुनाई है। ये सजा मात्र 1 दिन की कारावास है।

जस्टिस जसमीत सिंह की बेंच ने स्वार्ड ऑफ डैमोकल्स को एक उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि 40 साल तक कोई मुकदमा लंबित रहना ही अपने आप में एक सजा है। जस्टिस ने माना कि याचिकाकर्ता बुजुर्ग 40 सालों से केस लड़ रहे थे और गंभीर बीमारियों से परेशान भी थे। ऐसे में अगर उन्हें जेल भेजा जाता है, तो उनकी हालत गंभीर हो सकती है। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता की याचिका में देरी से सुनवाई हुई। इसके कारण उसके संवैधानिक अधिकार का उल्लंघन हुआ है। इसके बाद कोर्ट ने याचिकाकर्ता की सुनवाई अवधि को ही उसकी सजा माना और सजा की अवधि को कम कर दिया। दरअसल साल 1984 में एसटीसी के चीफ मार्केटिंग मैनेजर सुरेंद्र कुमार को एक कंपनी से 15 हजार रुपए रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। हालांकि बाद में उन्हें जमानत मिल गई। साल 2002 में सुरेंद्र कुमार को दोषी पाया गया। उन्हें तीन साल की सजा के साथ 15 हजार रुपए जुमार्ना भरने का आदेश दिया गया। इसके बाद उन्होंने फैसले के खिलाफ अपील की। सुरेंद्र कुमार पर 140 टन मछली के ऑर्डर के बदले रिश्वत मांगने का आरोप था। शिकायतकर्ता हामिद ने सीबीआई को सूचित किया और छापेमारी के दौरान सुरेंद्र को पकड़ा गया था। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान पाया कि इस मामले में दोषी सुरेंद्र ने साल 2002 में अदालत द्वारा लगाए गए।

मामूली कहासुनी पर महिला की बेरहमी से हत्या

बिजनौर, 11 जुलाई (एजेंसी)। जानकारी के मुताबिक, जुवैदा अपने घर के बाहर चारपाई पर आम का अचार और मसाले धूप में सुखा रही थीं, उसी दौरान पास में रहने वाला अय्यूब नामक शख्स के दो बेटे अमन और समीर वहां अपनी बुलेट बाइक धोने लगे। बाइक धोने का पानी अचार और मसालों पर गिर गया, जब जुवैदा ने टोका और पानी बंद किया, तो गुस्से में आकर दोनों लड़कों ने अचार कूटने वाले मूसल से जुवैदा के सिर पर ताबड़तोड़ वार कर दिए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि यह झगड़ा पहली बार नहीं हुआ था। बकरीद के दिन भी अय्यूब के बेटों और जुवैदा के बीच गाड़ी खड़ी करने को लेकर कहासुनी हो चुकी थी। गांववालों के अनुसार, आरोपी परिवार की दबंगई से पहले भी तनाव रहा है, लेकिन डर के कारण कोई खुलकर विरोध नहीं करता था। घटना के तुरंत बाद एसएसपी अभिषेक झा और एसपी सिटी डॉ. संजीव बाजपेई भारी पुलिस बल के साथ गांव पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया। मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने अय्यूब, अमन, समीर, गुड्डू और काला के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है और उनकी तलाश जारी है।

भगवान के दरबार में भी नहीं बख्शा! खाटू में श्रद्धालुओं पर लाठी-डंडे

खाटू, 11 जुलाई (एजेंसी)। खाटूश्यामजी मंदिर में शुक्रवार सुबह दर्शन के लिए आए श्रद्धालुओं के साथ स्थानीय दुकानदारों द्वारा मारपीट करने का मामला सामने आया है। बारिश से बचने के लिए एक दुकान में घुसे श्रद्धालुओं और दुकानदार के बीच कहासुनी हो गई, जिसके बाद जमकर मारपीट हुई. घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें दुकानदार श्रद्धालुओं पर लाठी-डंडों से हमला करते हुए दिखाई रहे हैं। सुबह से खाटूश्यामजी में तेज बारिश हो रही थी। बाबा श्याम के दर्शन के लिए आए श्रद्धालु बारिश से बचने के लिए दुकानों में घुस रहे थे। इसी दौरान एक परिवार भगवान श्याम के दर्शन के बाद बारिश से

बचने के लिए आनन फानन में पास की एक दुकान में चला गया। दुकानदार ने परिवार को दुकान से बाहर निकलने को कहा, लेकिन बारिश काफी तेज थी, इसलिए परिवार ने दुकानदार से कहा की बारिश काफी हो रही कुछ देर रुकने दे दीजिये बारिश थमते ही हम आपकी दुकान से चले जायेंगे। दुकानदार ने परिवार की बात को नहीं सुना और हाथापाई शुरू कर दी। बात इतनी आगे बढ़ गई की दुकानदारों ने लाठी-डंडों से श्रद्धालुओं पर हमला बोल दिया। श्रद्धालुओं ने भी पलटवार किया। इस पूरे मामले का वीडियो सामने की दुकान से किसी ने बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। श्रद्धालुओं ने आरोप लगाते हुए कहा कि दुकानदारों का रवैया शुरू से ही आक्रामक था। वहीं, दुकानदारों का कहना है कि श्रद्धालुओं ने दुकान में बिना अनुमति घुसकर हंगामा किया। स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

बेदखली सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा भाई मदन गोपाल विश्नोई पुत्र स्व. श्री मोहन लाल विश्नोई, मेरे कहने-सुनने से बाहर है। मैं अपने भाई मदन गोपाल विश्नोई व उसके समस्त वारिसान को उसकी हरकतों से तंग आकर, बड़ी दु:खी व परेशान होकर, आज से सम्बंध-विच्छेद करती हूँ आज के बाद मदन गोपाल विश्नोई व उसके समस्त वारिसानों से मेरा व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य का, किसी प्रकार का कोई मतलब- वास्ता नहीं रहा है और न ही भविष्य में रहेगा। मैं अपने भाई मदन गोपाल विश्नोई व उसके समस्त वारिसानों को, अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करती हूँ और उससे सम्बन्ध-विच्छेद करती हूँ।

आरती विश्नोई पुत्री स्व. श्री मोहन लाल विश्नोई
मकान नं.-10, फेज-II, वसुन्धरा रेजीडेन्सी, थाना-नई मण्डी, मुजफ्फरनगर

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री शारदेन स्कूल में कक्षा-9 (ब) में पढ़ती है। उसका नाम शिफा मिर्जा है, जबकि स्कूल रिकार्ड में त्रुटिवश शिफा दर्ज हो गया है और पिता का नाम माजिद है जोकि त्रुटिवश मौ० माजिद दर्ज किया गया है। मेरी पुत्री का वास्तविक नाम शिफा मिर्जा और पिता का नाम माजिद है।

माजिद
मकान नम्बर 502, रामपुरी, रूड़की रोड, मुजफ्फरनगर

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम अशोक कुमार (ASHOK KUMAR) से बदलकर, अशोक अग्रवाल (ASHOK AGGARWAL) रख लिया है। भविष्य में मुझे अशोक अग्रवाल (ASHOK AGGARWAL) के नाम से ही जाना जाये।

अशोक अग्रवाल
123/6, उत्तरी सिविल लाइंस मुजफ्फरनगर, M. 6395229172

सूचना

मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण-पत्र संख्या 13376, दिनांक 20/12/2016 में गलती से नाम दिव्यांशु अग्रवाल (DIVYANSHU AGARWAL) अंकित कराया गया था जबकि उसका वास्तविक नाम दिव्यांश अग्रवाल (DIVYANSH AGARWAL) है और भविष्य में भी इसी नाम से जाना जायेगा। नाम संशोधन हेतु शपथ-पत्र विभाग में प्रस्तुत किया जा रहा है।

निवेदक- मुकुल अग्रवाल
म.नं. 49, मैत्री बाग (दयाल बाग) निरंजन स्विमिंग पुल स. ओ. आगरा
मो. 9760548875

1973-2025

सम्पादक की क़लम से

चुनाव आयोग का स्पेशल इंसेंटिव रिवीजन

चुनाव आयोग मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण कर रहा है। अभी यह कार्य बिहार में हो रहा है जल्द ही देशभर में होगा। कुछ राजनैतिक दल,इस संविधान सम्मत महत्वपूर्ण कार्य पर रोक लगाने का निवेदन लेकर सुप्रीम कोर्ट गए थे, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया। कमाल यह है कि संविधान बचाओ का नारा देने वाले राजनैतिक दल संविधान सम्मत इस महत्वपूर्ण कार्य पर रोक लगाना चाहते हैं? मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य इससे पहले 2003 में हुआ था। चुनाव आयोग का कहना है कि जिनके नाम 2003 के बाद मतदाता सूची में शामिल हुए हैं, वे केवल अपने माता-पिता के नाम की वोटर पर्ची की कॉपी फार्म में लगा दें, फिर उन्हें कोई कागज दिखाने की जरूरत नहीं है। चुनाव आयोग ने आधार कार्ड को आवश्यक नहीं माना है। विपक्षी दलों के वकीलों ने आधार कार्ड के लिए काफी दलीलें दीं, एक तर्क यह भी दिया जा रहा है कि जिन घुसपैठियों ने फर्जी कागजों के दम पर आधार कार्ड बनवा लिए हैं, वे अगर उन्हीं कागजों को दिखायेंगे तो पकड़े जाएंगे, इसलिए आधार कार्ड ही पर जोर दिया जा रहा है। फिलहाल चुनाव आयोग के कार्य पर रोक नहीं लगी है, बिहार में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य चल रहा है। देश की कई संस्थाओं ने और नागरिकों ने सुप्रीम कोर्ट के इस गहन पुनरीक्षण कार्य पर रोक न लगाने के फैसले का स्वागत किया है। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को बिहार में चुनाव से पहले वोटर लिस्ट की स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया है। यानी निर्वाचन आयोग का यह महत्वपूर्ण कार्य बिहार में फिलहाल जारी रहेगा। कोर्ट ने इस मामले में दायर याचिकाओं पर सुनवाई की और कहा कि अभी अंतरिम आदेश की जरूरत नहीं है, अगली सुनवाई 28 जुलाई को होगी। कोर्ट ने कहा कि पहचान के लिए दस्तावेजों की सूची सीमित नहीं है, ऐसे में आधार कार्ड, वोटर आईडी कार्ड और राशन कार्ड को भी मान लिया जाए, तो अधिकतर याचिकाओं का समाधान हो जाएगा। याचिकाकर्ताओं ने दलील दी कि यह कदम बड़ी संख्या में मतदाताओं को प्रभावित करेगा और समान अवसरों के सिद्धांत को भी चोट पहुंचाएगा। कोर्ट ने इन दलीलों को नहीं माना। चुनाव आयोग ने कहा कि पूरी प्रक्रिया की पल-पल निगरानी हो रही है। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान आधार कार्ड और निर्वाचन कार्ड को वोटर पहचान के लिए निर्धारित 11 दस्तावेजों में शामिल न किए जाने का मुद्दा उठा। हालांकि, निर्वाचन आयोग की पैरवी करते हुए एडवोकेट राकेश द्विवेदी ने साफ किया कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के मुताबिक आधार कार्ड सिर्फ पहचान पत्र है यानी व्यक्ति की तस्दीक करता है, लेकिन उसके योग्य वोटर होने की गारंटी नहीं देता। सुनवाई के दौरान अदालत ने टाइमिंग को लेकर सवाल उठाया। पीठ ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण करने में कुछ भी गलत नहीं है। 2003 में भी ऐसा किया गया था, लेकिन मसअला यह है कि इसे पहले क्यों नहीं किया गया। चुनाव से ठीक पहले यह प्रक्रिया क्यों की जा रही है। इस पर चुनाव आयोग के वकील ने जवाब दिया कि इसमें कुछ गलत नहीं है और समय-समय पर संशोधन होता है। उन्होंने कहा कि समय के साथ-साथ मतदाता सूची में नामों को शामिल करने या हटाने के लिए उनका पुनरीक्षण आवश्यक होता है। निर्वाचन आयोग के वकील राकेश द्विवेदी ने पूछा कि अगर चुनाव आयोग के पास मतदाता सूची में संशोधन का अधिकार नहीं है तो फिर यह कौन करेगा? सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह सवाल ही नहीं है कि ऐसा क्यों हो रहा है। बात सिर्फ इतनी है कि इसे पहले क्यों नहीं किया गया। बेंच ने कहा कि विशेष, गहन पुनरीक्षण की कवायद महत्वपूर्ण मुद्दा है, जो लोकतंत्र की जड़ से जुड़ा है, यह मतदान के अधिकार से संबंधित है। इलेक्शन कमीशन ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 326 के तहत भारत में मतदाता बनने के लिए नागरिकता की जांच आवश्यक है। बिहार के निर्वाचकों की सक्रिय भागीदारी के बीच 77,895 बूथ लेवल अधिकारी, 20,603 विशेष रूप से नियुक्त अतिरिक्त बीएलओ और अन्य चुनाव पदाधिकारियों, लगभग 4 लाख वॉलेंटियर्स जुटे हैं। इनके अलावा सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के 1.56 लाख बूथ लेवल एजेंट के अथक प्रयासों के परिणामस्वरूप 66.16 फीसदी गणना फॉर्म इकट्ठे हो चुके हैं। मतदाता सूची के विशेष, गहन पुनरीक्षण में घर-घर जाकर मतदाताओं से जुड़ी जानकारी ली जाती है। ऐसा तब किया जाता है, जब चुनाव आयोग कहता है कि मौजूदा वोटर लिस्ट पुरानी हो चुकी है, इसे फिर से बनाना जरूरी है। पुनरीक्षण का जो दूसरा तरीका है, इसमें इसे एनुअल अपडेट किया जाता है, क्योंकि वोटर लिस्ट के ड्राफ्ट को प्रकाशित करना होता है। इसमें लोगों के नाम शामिल करने होते हैं या हटाने होते हैं या उनमें किसी तरह का संशोधन करना होता है, लेकिन इसमें कोई डोर टू डोर विजिट नहीं होती। 24 जून को चुनाव आयोग ने कहा था कि देशभर में वोटर लिस्ट का वेरिफिकेशन किया जाएगा। पिछले दो दशक से भी अधिक समय में यह पहली ऐसी प्रक्रिया होगी और इसे बिहार से शुरू किया जा रहा है। चुनाव आयोग का कहना है कि तेजी से शहरीकरण, लगातार माइग्रेशन, युवा वोटर्स का मतदान के लिए पात्र होना और विदेशी अवैध प्रवासियों के नाम का मतदाता सूची में शामिल होना वोटर लिस्ट के रिवीजन के पीछे अहम वजह है। आयोग का यह भी कहना है कि मतदाता के रूप में नामांकन से पहले हर शख्स का वेरिफिकेशन करने के लिए एक बड़ा अभियान चलाने की जरूरत है। आयोग ने इस मामले में राजनीतिक दलों की ओर से की गई शिकायतों का भी हवाला दिया है। 1980 तक वोटर लिस्ट में अपात्र मतदाताओं विशेषकर विदेशी नागरिकों को शामिल होने से रोकने पर चुनाव आयोग ने ध्यान दिया। इसके लिए विशेष निर्देश दिए गए और चुनाव आयोग को बॉर्डर वाले राज्यों विशेषकर पूर्वोत्तर के मुख्यमंत्रियों से शिकायतें भी मिली, जिनमें यह कहा गया कि बड़ी संख्या में विदेशी नागरिकों का नाम भी वोटर लिस्ट में शामिल है। चुनाव आयोग ने कहा कि वोटर लिस्ट में जो गलत नाम हैं, उन्हें एक निश्चित प्रक्रिया का पालन करके ही हटाया जाएगा। 1993 और 95 में चुनाव आयोग ने फिर से देश भर में वोटर लिस्ट के गहन निरीक्षण का आदेश दिया। समय बीतने के साथ ही वोटर लिस्ट में सुधार किया गया और चुनाव आयोग ने वक्त की जरूरत के मुताबिक वोटर लिस्ट में रिवीजन किया।

चार तीर

सुनील उत्सव

'कामना' 'लुत्फ' 'नतीजा' 'हम'

चाहतें मिटती नहीं हैं, कामना मिटती नहीं,
लुत्फ तो जाता रहा बस घिर गये चाहों में हम।
गौर करके देखिये तो ये नतीजा आयेगा,
बेसबब उलझे हुए हैं, बेसबब बातों में हम।

इस पिता की 'दंडवत कांवड़' के पीछे छुपी है एक चमत्कारिक कहानी

मुजफ्फरनगर, 11 जुलाई (बु.)। पलभर की खुशी और 15 दिन का लंबा इंतजार, मां की गोद में जाने से पहले जिस मासूम बच्चे को माता-पिता ने मशीन में देखकर पल-पल गुजारे हों, उस परिवार के लिए वो 15 दिन किसी अग्नि परीक्षा से कम नहीं थे। बागपत के ग्राम कुराली के रहने वाले अमित कुमार, जिनके नवजात शिशु को जन्म के तुरंत बाद से ही वेंटिलेटर पर रखा गया था, उन्होंने भोलेनाथ से अपने बच्चे की सलामती के लिए एक मार्मिक मन्नत मांगी थी, कि यदि उनका बच्चा ठीक हो जाता है, तो वे दंडवत कांवड़ लेकर आएंगे और जो हुआ, वह किसी चमत्कार से कम नहीं। बच्चे की हालत में सुधार हुआ और उसे अस्पताल से छुट्टी मिल गई, जिसके बाद अमित ने अपनी प्रतिज्ञा पूरी करते हुए दंडवत कांवड़ यात्रा की।

जीवन और मृत्यु के बीच झूलते नवजात की घटना कुछ यूं है कि अमित और उनकी पत्नी के घर कुछ समय पहले एक नन्हें मेहमान का आगमन हुआ, लेकिन यह खुशी अल्पकालिक साबित हुई जब जन्म के तुरंत बाद बच्चे की तबीयत बिगड़ गई और उसे सांस लेने में दिक्कत

होने लगी। डॉक्टरों ने बताया कि बच्चे को तत्काल वेंटिलेटर सपोर्ट की जरूरत है। अगले 15 दिन तक बच्चा जीवन और मृत्यु के बीच संघर्ष करता रहा। अस्पताल का बिल बढ़ता जा रहा था और परिवार की उम्मीदें धुंधली पड़ती जा रही थीं।

एक पिता की अटूट आस्था और मन्नत इसी दौरान देखने को मिली, जब हर तरफ से निराश पिता अमित ने अपनी सारी उम्मीदें भगवान शिव पर टिका दीं। उन्होंने पास के शिव मंदिर में जाकर अपनी मन्नत मांगी, "हे भोलेनाथ, मेरे बच्चे को ठीक कर दे। अगर मेरा बच्चा स्वस्थ होकर घर आता है, तो मैं दंडवत कांवड़ लेकर आऊंगा।" दंडवत कांवड़ यात्रा एक अत्यंत कठिन तपस्या मानी जाती है, जिसमें भक्त लेट-लेट कर कांवड़ पथ तय करते हैं। चमत्कार हुआ और बच्चे की वापसी हुई। अमित की प्रार्थना शायद भोलेनाथ ने सुन ली। डॉक्टरों ने बच्चे की हालत में सुधार देखा और कुछ ही दिनों में उसकी तबीयत ऐसी सुधर गई कि उसे वेंटिलेटर से हटा दिया गया। परिवार की खुशी का ठिकाना नहीं रहा, जब डॉक्टरों ने बच्चे को अस्पताल से छुट्टी देने का फैसला किया। 15 दिनों के संघर्ष के बाद, नन्हा शिशु अपने माता-पिता की गोद में सकुशल घर लौट आया।

मन्नत पूरी करने की यात्रा

अपने बच्चे को घर वापस लाने के बाद, अमित ने अपनी प्रतिज्ञा पूरी करने का निश्चय किया। उन्होंने हरिद्वार से दंडवत कांवड़ यात्रा शुरू की। परिवार और स्थानीय लोग उनकी इस आस्था और दृढ़ संकल्प को देखकर हैरान थे। कड़ी धूप और थकान के बावजूद, अमित ने एक इंच भी पीछे हटना स्वीकार नहीं किया। उनकी इस यात्रा में इस दौरान उनके दोनों बेटे 11 वर्षीय अर्णव, 10 वर्षीय वैभव भी उनकी इस कावड़ यात्रा में जल लेकर चल रहे हैं। अमित कुमार की यह कहानी न केवल एक परिवार की खुशी की कहानी है, बल्कि यह आस्था, दृढ़ संकल्प और दैवीय शक्ति में विश्वास का एक प्रबल उदाहरण भी है। यह घटना मुजफ्फरनगर में चर्चा का विषय बनी हुई है और लोग इसे एक चमत्कार से कम नहीं मान रहे हैं। अमित ने साबित कर दिया कि जब विश्वास अटल हो, तो कोई भी बाधा बड़ी नहीं होती।

सावधान! यहां जा सकती है आपकी जान

- जगह-जगह लगे लाल झंडे के निशान

मुजफ्फरनगर, 11 जुलाई (बु.)। नहर पटरी मार्ग पर पानी के बहाव और तेज बारिश के दौरान कोई अनहोनी ना हो, इसको लेकर पूरे नगर पटरी कांवड़ मार्ग पर एक ओर लाल झंडे के निशान लगाए गए हैं। ऐसे में उन स्थानों पर एक से अधिक झंडे भी लगाए गए है, जहां पानी के द्वारा या तो मिट्टी का कटाव है या फिर नहर तक नहाने के प्रयास अधिक होने की आशंका है। कांवड़ियों की सुविधा के लिए विभिन्न धार्मिक और सामाजिक संगठनों द्वारा भंडारे आयोजित किए जा रहे हैं, जहां उन्हें भोजन और जलपान उपलब्ध कराया जा रहा है। रात्रि विश्राम के लिए भी कुछ स्थानों पर अस्थायी शिविरों की व्यवस्था की गई है।

कांवड़ नहर पटरी मार्ग पर शिव भक्तों की सुविधा के लिए पुख्ता इंतजाम

मुजफ्फरनगर, 11 जुलाई (बु.)। पवित्र श्रावण मास के आगमन के साथ ही देशभर में भगवान शिव के भक्तों, कांवड़ियों का सैलाब उमड़ने लगा है। हरिद्वार से अपने गंतव्य की ओर जाने वाले कांवड़ियों के लिए कांवड़ नहर पटरी मार्ग एक प्रमुख रास्ता है। इस वर्ष भी, लाखों कांवड़ियों की यात्रा को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए प्रशासन द्वारा इस मार्ग पर विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। कांवड़ यात्रा के दौरान इस कावड़ मार्ग के चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात किया गया है। जगह-जगह सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं और ड्रोन से भी निगरानी की जा रही है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। यातायात को सुचारु रखने के लिए डाइवर्जन प्लान लागू किया गया है, जिससे कांवड़ियों को बिना किसी रुकावट के आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। कांवड़ियों की स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए, मार्ग पर कई स्थानों पर चिकित्सा शिविर लगाए गए हैं। इन शिविरों में डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ 24 घंटे उपलब्ध रहेंगे। प्राथमिक उपचार के साथ-साथ, गंभीर मामलों के लिए एम्बुलेंस की भी व्यवस्था की गई है, ताकि आवश्यकता पड़ने पर तुरंत अस्पताल पहुंचाया जा सके।

सुरक्षा एजेंसियों ने जांची शिव चौक की सुरक्षा व्यवस्था

मुजफ्फरनगर, 11 जुलाई (बु.)। बृहस्पतिवार को शिव चौक पर मेटल डिटेक्टर मशीनों के साथ सुरक्षा एजेंसियों ने शिव चौक के आसपास सुरक्षा व्यवस्था जांची। आमतौर पर सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि या प्रतिबंधित वस्तुओं का पता लगाने के लिए इनका इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन सावन के सबसे पवित्र कांवड़ मेले को लेकर ये सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त रखना और भी जरूरी है। सार्वजनिक स्थानों पर भीड़भाड़ के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना। किसी भी हथियार या अन्य खतरनाक वस्तुओं की पहचान करना, जो सार्वजनिक शांति को भंग कर सकते हैं। लोगों को यह विश्वास दिलाना कि उनकी सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। मेटल डिटेक्टर धातु की वस्तुओं का पता लगाने में प्रभावी होते हैं, भले ही वे छिपी हुई हों। ये मशीनें तेजी से और बिना किसी शारीरिक संपर्क के लोगों की जांच करने में मदद करती हैं, जिससे प्रक्रिया कुशल बनती है। सार्वजनिक स्थानों पर मेटल डिटेक्टरों का उपयोग सुरक्षा के स्तर को काफी बढ़ा देता है, जिससे अप्रिय घटनाओं की संभावना कम हो जाती है। यह अभियान विशेष रूप से तब महत्वपूर्ण हो जाता है, जब शिव चौक जैसे स्थानों पर धार्मिक आयोजन या बड़ी संख्या में लोगों का जमावड़ा होता है, जैसे कि कांवड़ यात्रा के दौरान, जिसके लिए नगर के शिव चौक पर एक विशेष कंट्रोल रूम भी बनाया गया है।

कांवड़ मार्ग पर आरएएफ ने संभाला मोर्चा, स्थानीय पुलिस के साथ सुरक्षा कड़ी

मुजफ्फरनगर, 11 जुलाई (बु.)। श्रावण मास शुरू होते ही कांवड़ यात्रा को लेकर नगर में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद कर दी गई है। स्थानीय पुलिस बल के साथ-साथ, इस वर्ष रैपिड एक्शन फोर्स ने भी कांवड़ मार्ग पर सुरक्षा का मोर्चा संभाल लिया है। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने और श्रद्धालुओं को सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए यह कदम उठाया गया है। नगर के प्रमुख कावड़ मार्गों, जिनमें मुख्य रूप से बझेड़ी फाटक, मदीना चौक गोल चक्कर, कच्ची सड़क, अस्पताल चौराहा, शिव चौक, मीनाक्षी चौक, सुजड़ू चुंगी और वहलना बाईपास शामिल हैं, जहां पर आरएएफ के जवानों को तैनात किया गया है। इन मार्गों पर नियमित गश्त की जा रही है और संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त बल तैनात किया गया है।

कावड़ में भी नीला ड्रम चर्चाओं में

नीले ड्रम में कांवड़ लेकर मुजफ्फरनगर पहुंचा कांवड़िया

मुजफ्फरनगर, 11 जुलाई (बु.)। मेरठ में हत्यारन पत्नी मुस्कान ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर अपने पति की बेरहमी से हत्या कर उसके शव को नीले ड्रम में ठिकाने लगा दिया था, जिसके बाद से नीला ड्रम खूब चर्चाओं में बना हुआ है। बात अगर कांवड़ मेले की करें, तो इस कांवड़ मेले में भी बदनाम हुआ नीला ड्रम खूब चर्चाओं में है। दरसअल हरिद्वार से नीले ड्रम में गंगाजल भरकर कांवड़ लेकर चले दिल्ली के नरेला निवासी हिमांशु अपने साथी के साथ शुक्रवार को मुजफ्फरनगर जनपद में पहुंचे थे, जहाँ नीले ड्रम की ये कावड़ खूब चर्चाओं में रही। जानकारी के मुताबिक 121 लीटर गंगाजल नीले ड्रम में भरकर हरिद्वार से कांवड़ लेकर यह शिव भक्त भोले दिल्ली के नरेला में जा रहे हैं, जो रोज 10 किलोमीटर का अपना सफर तय करते हैं, जब इन शिवभक्तों से नीले ड्रम के बारे में बात की गई, तो इनका कहना था कि नीला ड्रम न्यूज में बहुत ज्यादा वायरल हुआ है, इसलिए हम नीले ड्रम को लेना नहीं चाहते थे, क्योंकि इसकी ज्यादा चर्चा है, लेकिन जब हमें और किसी रंग का ड्रम नहीं मिला और हमें ज्यादा जल लेकर आना था, तो मन मार कर नीले ड्रम को ही हमें लेना पड़ा। आपको बता दे की शुक्रवार से सावन मास

शुरू हो गया है जिसके चलते अब मुजफ्फरनगर जनपद में शिवभक्त कावड़ियों की संख्या बढ़ने लगी है, क्योंकि यही वह मुजफ्फरनगर जनपद है, जहां हरिद्वार से गंगाजल उठाकर करोड़ों की संख्या में शिव भक्त कांवड़िए मुजफ्फरनगर से होते हुए हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, दिल्ली और उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों के लिए प्रस्थान करते हैं। इसलिए यहां पर रंग-बिरंगी और चर्चाओं में रहने वाली अनोखी कांवड़ खूब देखने को मिलती है। नीले ड्रम में गंगाजल भरकर कांवड़ ला रहे शिव भक्त कांवड़िए हिमांशु दिलोड का कहना है कि मैं हरिद्वार से आया हूं जल लेकर और लामपुर गांव में जाऊंगा। नरेला दिल्ली मैं बहुत घूमा हूं, मुो पीले कलर के ड्रम चाहिए थे, वह मिले नहीं। फिर मुझे नीले दिख गए, तो मैंने नीले ही ले लिए। वैसे न्यूज इसके बारे में बहुत ज्यादा वायरल हो रही है। मैंने नीले ही ले लिए, नहीं तो मैं इनको लेना नहीं चाहता था। ज्यादा इसकी चर्चा है, मैं इसलिए ले नहीं रहा था इसको। यह तो मन मार कर लिए थे। एक ड्रम में 60 लीटर जल है। टोटल 121 लीटर है। हमारी टीम में हम दो ही लोग हैं। रोजाना 10 किलोमीटर चलते हैं।

अब ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज शिकायत से होगा समस्याओं का निदान

- एडीएम वित्त ने जारी की सभी समस्याओं के समाधान की सूची

मुजफ्फरनगर, 11 जुलाई (बु.)। एडीएम वित्त गजेन्द्र कुमार ने बताया कि यूपी शासन ने जन समस्याओं के निवारण के लिए आईजीआरएस पोर्टल व्यवस्था की है, इसके माध्यम से आमजन अपनी शिकायतें ऑनलाईन दर्ज करा सकते हैं। यह देखा गया है कि कई बार शिकायतकर्ता द्वारा गलत विभाग का चयन कर दिया जाता है, जिससे न केवल लोगों की शिकायत के समाधान में इस बीच अनावश्यक देरी होती है, बल्कि मामला संबंधित विभाग तक समय से पहुँच ही नहीं पाता। एडीएम वित्त गजेन्द्र कुमार ने कहा कि ऐसे में जनसामान्य से अनुरोध है कि आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायत दर्ज करते समय उक्त समस्या के प्रकार के अनुसार संबंधित विभाग का ही चयन करें, ताकि शिकायत शीघ्र एवं प्रभावी रूप से गुणवत्तापरक निस्तारित की जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि किस समस्या समाधान के लिए किस विभाग में शिकायत दर्ज कराई जाए, इसको ध्यान में रखने से पात्रों को लाभ मिल सकेगा। उन्होंने बताया कि विधवा पेंशन-महिला कल्याण, विकलांग पेंशन द्विव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, वृद्धावस्था पेंशन-समाज कल्याण विभाग, शहर क्षेत्र की समस्याएं-नगर पंचायत, ग्रामीण क्षेत्र में साफ-सफाई- ग्राम्य विकास, अवैध प्लांटिंग/ मानचित्र-विकास प्राधिकरण, सड़क मरम्मत-लोक निर्माण विभाग, भूमि विवाद संबंधी-राजस्व व आपदा विभाग, बिजली आपूर्ति संबंधी-विद्युत विभाग, जल आपूर्ति-नल कनेक शन संबंधी शिकायत-जल निगम, स्वास्थ्य संबंधी-चिकित्सा विभाग, स्कूल संबंधी-शिक्षाव विभाग और राशन कार्ड/ सार्वजनिक वितरण प्रणाली से संबंधी शिकायतों के निदान के लिए खाद्य एवं रसद विभाग में शिकायत की जा सकती है।

शिवचौक कांवड़ कंट्रोल रूम बनकर तैयार, उद्घाटन का इंतजार

मुजफ्फरनगर, 11 जुलाई (बु.)। कांवड़ यात्रा को निर्विघ्न संपंत्र कराने को लेकर पालिका प्रशासन ने तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में शिवचौक गोल मार्किट के ऊपरी भाग में बना कांवड़ कंट्रोल रूम पूरी तरह से तैयार हो चुका है। यात्रा के दौरान किसी भी आपात स्थिति से निपटने और शिवभक्तों की सुविधा में कंट्रोल रूम अहम भूमिका निभाएगा। पालिका प्रशासन की ओर से इस कंट्रोल रूम में खोया-पाया केंद्र, वीआईपी कक्ष, कुर्सियां, मेज, सोफे, एयर कंडीशनर और पंखों की सुविधाएं तैयार की गई हैं। वहीं रजिस्टर में कंट्रोल रूम से जुड़ी गतिविधियों और कर्मियों की सेवाओं का लेखा-जोखा दर्ज किया जाएगा। नगर पालिका द्वारा कांवड़ मार्ग पर बैरिकेडिंग, डिवाइडर मरम्मत, पेंटिंग, मार्ग के संकेतक बनाने के साथ स्ट्रीट लाइट के पोलों को नीली पट्टियों से कवर करने का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है। इसके साथ ही सुरक्षा व्यवस्था को और पुख्ता बनाने के लिए पहले से लगे 35 सीसीटीवी कैमरों के अतिरिक्त करीब 40 नए कैमरे लगाए गए हैं। कांवड़ मार्ग पर खोया-पाया सूचनाओं के आदान-प्रदान के साथ जरुरी जानकारी साझा करने के लिए 300 लाउडस्पीकरों को मदीना चौक से सुजडू चुंगी तक, शिवचौक से बुढ़ाना मोड़ व झांसी की रानी तक लगाया गया है, जो इस बीच सूचनाओं को साझा करने के साथ भक्ति संगीत के माध्यम से शिवभक्तों में नया जोश भरने का काम करेंगे। नगरीय क्षेत्र में लाउडस्पीकर के इस ठेके को करीब 3.25 लाख रुपए में नेहा लाइट साउंड के नाम छोड़ा गया है, जिसकी व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए ठेकेदार के साथ 8 कर्मचारियों की ड्यूटी कांवड़ मार्ग पर लगाई गई है।

कलेक्ट्रेट में स्थापित कंट्रोल रूम से कांवड़ मेले से निगरानी

मुजफ्फरनगर, 11 जुलाई (बु.)। जनपद में कांवड़ यात्रा मेले को निर्विघ्न व शांतिपूर्ण रूप से संपन्न कराने के साथ ही यात्रा की निगरानी और वहां आने वाली शिकायतों के निदान की खातिर डीएम उमेश मिश्रा के निर्देश पर कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। कलेक्ट्रेट में स्थापित उक्त कंट्रोल रूम में 3 शिफ्टों में शिफ्टवार अधिकारी व कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है, ताकि व्यवस्था सुचारू रूप से संपन्न की जा सके। कलेक्ट्रेट में स्थापित कंट्रोल रूम की जानकारी देते हुए अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गजेंद्र कुमार ने बताया कि उक्त कंट्रोल रूम 24 घंटे काम करेगा। उन्होंने बताया कि यहां स्थापित कंट्रोल रूम (डीसीसी/ईओसी) में दूरभाष लैंडलाइन व मोबाइल नंबरों की लिस्ट जारी की गई है। इन संपर्क सूत्रों पर लैंडलाइन नंबर 0131-2436918, 1077 के अलावा मोबाइल नंबर 9412210080, 9412711932, 9412711933, 9412711934, 9412711935 और मोबाइल नंबर 7579813623 कांवड़ यात्रा मेले में 24 घंटे कार्यरत रहेंगे। उन्होंने बताया कि इसके साथ ही मुख्य हेल्पलाइन नम्बर 9412210080 पर व्हाट्सअप से भी सूचनाओं का आदान-प्रदान किया जा सकता है।

आवश्यकता है
एक महिला एकाउन्टेंट
की जिसे टेली, एक्सल
एवं एम.एस ऑफिस
आदि का ज्ञान हो।
वेतन योग्यतानुसार
सम्पर्क करें-
M.9997536219

जनसंख्या नियंत्रण कानून को हिन्दू संगठनों ने किया प्रदर्शन

मुजफ्फरनगर, 11 जुलाई (बु.)। जनसंख्या नियंत्रण कानून को लागू किए जाने की मांग को लेकर शुक्रवार को हिन्दू संगठन ने कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन करते हुए धरना दिया। डीएम कार्यालय पर पहुंचे राष्ट्रीय हिन्दू फ्रंट के तमाम पदाधिकारियों ने जनसंख्या विस्फोट एवं जनखांख्यिकीय असंतुलन जैसी स्थिति पैदा होने की संभावना व्यक्त करते हुए आने वाले दिनों के संभावित गृहयुद्ध को रोके जाने की मांग की। इस दौरान देश के राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री के नाम प्रशासन को सौंपे ज्ञापन में जनसंख्या नियंत्रण कानून, समान नागरिक संहिता, एनआरसी और घुसपैठ नियंत्रण कानून बनाने के साथ वक्फ बोर्ड को पूरी तरह से निरस्त किए जाने की जोरदार मांग की। शुक्रवार को रारष्ट्रीय हिन्दू फ्रंट के बैनर तले कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित धरने को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि अंधाधुंध संतानोत्पत्ति करने की प्रवृत्ति पर जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाकर अंकुश लगाने में एक-एक पल की देरी भारत व भारतीय संस्कृति को पूर्व की भांति विघटनकारी साबित हो सकती है। ऐसे में एक वर्ग विशेष द्वारा रणनीति के तहत जान बूझकर जनसंख्या बढ़ाने व सनातन समाज की युवा पीढ़ी में एक बच्चे तक सीमित रहने की बढ़ती प्रवृत्ति के कारण देश के अनेक भागों में 6 वर्ष से कम आयु वर्ग के बच्चों में जनसंख्या का संतुलन उस वर्ग विशेष के पक्ष में झुकता दिखने लगा है। ऐसे में भारत जनसंख्या में धार्मिक असंतुलन के कारण हुए विघटन के दंश का प्रत्यक्ष मुक्तभोगी है। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व की सरकारों की विभाजन के बाद से जारी तुष्टिकरण की नीति के चलते अब फिर से वैसी ही देश में परिस्थितियां निर्मित होती हुई दिखाई दे रही है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि सामाजिक वर्गों के बीच जनसंख्या अनुपात वर्तमान अनुपात के बनाए रखने के उद्देश्य से जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाने की मांग को लेकर राष्ट्रीय हिन्दू फ्रंट (जनसंख्या समाधान फाउन्डेशन) द्वारा विगत लगभग 12 वर्षों से धरने-प्रदर्शन, सांसद संवाद कार्यक्रम, राष्ट्रपति सहित महत्वपूर्ण लोगों से भेंट आदि के रूप में अभियान चलाया जा रहा है। अभियान को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं संगठन के मुख्य संरक्षक डॉ. इन्द्रेश कुमार तथा केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह सहित 125 सांसदों का समर्थन प्राप्त है। धरने पर नरेन्द्र पंवार, लोकेंद्र कुमार, राकेश, कुश पुरी, पवन मित्तल, संजय मिश्रा, अनमोल छाबड़ा, अंकुर गुप्ता, बिजेन्द्र गोयल, अनमोल छाबड़ा, ब्रजपाल, सतीश शर्मा, जनार्दन विश्वकर्मा, हिमांशु, शिवम, पंकज, दीपक, रंजीत, भूपेन्द्र गोयल समेत बड़ी संख्या में हिन्दू संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे।

एसीएमओ ने किए नगर क्षेत्र में दो स्वास्थ्य प्रतिष्ठान सील

मुजफ्फरनगर, 11 जुलाई (बु.)। जनपद में कुकुरमुत्ते की तरह चहुंओर पनप रहे फर्जी निजी नर्सिंग होम के साथ अल्टासाउंड सैंटरों और पैथोलॉजी लैब के खिलाफ छेड़े चैकिंग अभियान के सार्थक परिणाम सामने आने लगे हैं। शुक्रवार को स्वास्थ्य विभाग की ओर से की कार्रवाई में 2 प्रतिष्ठानों को जरुरी दस्तावेज न दिखाने पर सीज कर दिया गया। स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मचा रहा। शुक्रवार को नगरीय क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने डीएम उमेश मिश्रा व सीएमओ डॉ. सुनील तेवतिया के जारी निर्देशों के अनुपालन में डॉ. विपिन कुमार एसीएमओ व उनकी टीम ने नगर क्षेत्र में नर्सिंग होम, हॉस्पिटल, अल्ट्रासाऊंड सेंटर एवं पैथोलॉजी लैबों की चेकिंग की गई। जिसमें प्राईमैक्स पैथोलॉजी लैब भोपा रोड पर की गई कार्रवाई के बीच अपंजीकृत पाए जाने पर लैब को तत्काल सील कर दिया गया। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम साओल हार्ट सेंटर भोपा रोड पर पहुंची, जो अपंजीकृत रूप से संचालित पाया गया। टीम ने इस हार्ट सेंटर को सील कर दिया गया।

गुडविल सोसायटी का वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न हुआ तथा सेवाभावी छात्राओं को प्रदान किए प्रशस्ति प्रमाण-पत्र

मुजफ्फरनगर, 11 जुलाई (बुस.)। आज स्थानीय नई मंडी स्थित ताराचंद वैदिक पुत्री कन्या डिग्री कॉलेज के परिसर में गुडविल सोसायटी के अध्यक्ष सुरेंद्र अग्रवाल के कुशल निर्देशन में पहुंचकर सोसाइटी के पदाधिकारी एवं सहयोगियों ने वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न कराया, जिसमें उत्तम लकड़ी, फल एवं औषधि देने वाले वृक्षों का रोपण किया गया। राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल इस वृहद् वृक्षारोपण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे और पूर्व विधायक अशोक कंसल व्यापारी नेता संजय मित्तल असिस्टेंट कमिश्नर आर. के मार्शल एवं बाल कल्याण समिति के सदस्य डॉ. राजीव कुमार बतौर विशिष्ट अतिथि पधारे। कार्यक्रम के प्रारंभ में सुरेंद्र अग्रवाल (अध्यक्ष) ने समस्त अतिथियों एवं सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। सचिव होती लाल शर्मा ने गुडविल सोसाइटी की सर्जनात्मक एवं रचनात्मक गतिविधियों पर प्रकाश डाला और कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए समस्त जनसमूह को पौधारोपण करने के लिए प्रेरित किया। अतिथियों ने भी इस पर अपने विचार रखे। इस कार्यक्रम में विद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई से संबंधित छात्राओं को गुडविल सोसायटी के पदाधिकारी अतिथियों

ने उनकी अच्छी सेवावृत्ति के लिए प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया तथा प्रधानाचार्य संगीता व उनके समस्त स्टाफ ने कार्यक्रम की सरहाना करते हुए विद्यालय परिसर को समृद्ध बनाने में गुडविल सोसाइटी के प्रति आभार व्यक्त किया। विद्यालय परिसर में संपन्न इस वृहद् वृक्षारोपण कार्यक्रम के विद्यालय परिसर के उपाध्यक्ष अंकुर गर्ग संयोजक रहे। इसमें मनोज जैन, राजेंद्र साहनी, सतपाल सिंह सिंगर, गिरिराज माहेश्वरी, अनिल, गोपाल गर्ग, मोहनलाल मित्तल, विनोद संगल, बीएम गुप्ता, विशाल कालरा, प्रमोद बंसल, इंजीनियर पीके गुप्ता, डीके राठी, बृजमोहन, राहुल शर्मा, राजीव जैन, राजीव कुमार, संजय मित्तल, लोकेश चंद्रा, श्रीकृष्ण अग्रवाल, राजीव कुमार अग्रवाल, विशाल गर्ग, कीमती लाल जैन, मुनेश सिंगल, पंकज अग्रवाल, पंकज जैन आदि गणमान्य जन उपस्थित रहे।

एनएचएआई ने 'खुले फास्टैग' को ब्लैकलिस्ट करने की प्रक्रिया की तेज

नयी दिल्ली, 11 जुलाई (वार्ता) राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण- एनएचएआई ने राष्ट्रीय राजमार्गों पर सुगम टोल संग्रहण संचालन सुनिश्चित करने के वास्ते 'खुले फास्टैग' को ब्लैक लिस्ट करने की प्रक्रिया तेज कर दी है। एनएचएआई के अनुसार इससे टोल संग्रह एजेंसियों को अपनी नीति और सुव्यवस्थित करने में मदद मिलेगी और जो खुले फास्टैग जिन्हें 'टैग-इन-हैंड' भी कहा जाता है उसकी तुरंत रिपोर्ट कर उसे ब्लैकलिस्ट किया जा सकेगा। पास-प्रणाली और मल्टी-लेन फ्री फ्लो टोलिंग जैसी पहलों के मद्देनजर फास्टैग की प्रामाणिकता और प्रणाली की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए इसका समाधान आवश्यक है।

रोजगार मेले में शनिवार को 51 हजार से अधिक नियुक्ति पत्र देंगे मोदी

नयी दिल्ली,11 जुलाई (वार्ता) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को यहां 16 वें रोज़गार मेले में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में नवनियुक्त 51 हज़ार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने आज यहां बताया कि श्री मोदी इस अवसर पर नवनियुक्त कर्मचारियों को संबोधित भी करेंगे। रोज़गार मेला रोज़गार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की सरकार की प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में एक कदम है। रोज़गार मेला युवाओं को उनके सशक्तीकरण और राष्ट्र निर्माण में भागीदारी के लिए सार्थक अवसर प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। देश भर में रोज़गार मेलों के माध्यम से अब तक 10 लाख से अधिक भर्ती पत्र जारी कर चुके हैं।

मोदी, आरएसएस पर आपत्तिजनक व्यंग्यचित्र विवाद पर14 को सुनवाई करेगा शीर्ष न्यायालय

नयी दिल्ली,11 जुलाई (वार्ता) उच्चतम न्यायालय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों के साथ अशोभनीय व्यंग्यचित्र बनाने के मामले में आरोपी हेमंत मालवीय की अंतरिम जमानत की मांग वाली याचिका पर 14 जुलाई को सुनवाई करेगा। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की अंशकालीन कार्य दिवस पीठ ने याचिकाकर्ता की ओर से पेश अधिवक्ता वृंदा ग्रोवर के मामले पर शीघ्र सुनवाई का अनुरोध आज स्वीकार करते हुए इस मामले को सोमवार के लिए सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया। इंदौर के व्यंग्यचित्रकार हेमंत ने मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के तीन जुलाई के आदेश को शीर्ष अदालत में चुनौती देते हुए राहत की गुहार लगाई है।

उच्च न्यायालय ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ मुकदमे पर लगाई रोक

बेंगलुरु, 11 जुलाई (वार्ता) कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को बड़ी राहत प्रदान करते हुए कर्नाटक उच्च न्यायालय ने भारतीय जनता पार्टी द्वारा दायर आपराधिक मानहानि मामले में निचली अदालत की कार्यवाही पर शुक्रवार को रोक लगा दी। वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस ने भाजपा के खिलाफ विवादास्पद भ्रष्टाचार रेट कार्ड विज्ञापन जारी किया था। न्यायमूर्ति एसआर कृष्ण कुमार ने मामले की सुनवाई करते हुए प्रतिवादियों को नोटिस जारी किया और निचली अदालत में लंबित मुकदमे पर अंतरिम रोक लगा दी। मुख्यमंत्री की ओर से पेश हुए महाधिवक्ता शशि किरण शेट्टी ने अदालत में तर्क दिया कि यह मामला अन्य कांग्रेस नेताओं से जुड़े मामलों जैसा ही है। चार जुलाई को उच्च न्यायालय ने इसी मामले में उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के खिलाफ कार्यवाही पर रोक लगा दी थी।

श्रावण मास के पहले दिन शिवालयों में भक्तों का तांता, योगी ने किया रुद्राभिषेक

लखनऊ, 11 जुलाई (वार्ता) देवाधिदेव भगवान शिव के प्रिय मास श्रावण के पहले दिन शुक्रवार को वाराणसी समेत समूचे उत्तर प्रदेश में शिवालयों में श्रद्धालुओं ने हर हर महादेव के उद्घोष के साथ जलाभिषेक किया। इस दौरान सुरक्षा के चाक चौबंद इंतजाम किये गये हैं। मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में रुद्राभिषेक व हवन किया। रुद्राभिषेक का अनुष्ठान पूर्ण कर उन्होंने भगवान भोले शंकर से चराचर जगत के कल्याण और सभी नागरिकों के सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। मंदिर के अपने आवास के प्रथम तल स्थित शक्तिपीठ में योगी ने भगवान भोलेनाथ को विल्व पत्र, दुर्वा, मदार पत्र, कमल पुष्प समेत अनेकानेक पूजन सामग्री अर्पित करने के बाद जल, दूध और ऋतुफल के रस से रुद्राभिषेक किया।

ब्लूचिस्तान में नौ यात्रियों की गोली मारकर हत्या

इस्लामाबाद, 11 जुलाई (वार्ता) पाकिस्तान के दक्षिण पश्चिम ब्लूचिस्तान प्रांत में गुरुवार रात अज्ञात बंदूकधारियों ने दो बसों का पीछा करके कम से कम नौ यात्रियों की गोली मार कर हत्या कर दी। प्रांतीय सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंग ने आज इस घटना की पुष्टि की। प्रवक्ता बताया कि कल रात जिले के लोरालाई क्षेत्र में हथियारबंद बंदूकधारियों ने दो बसों के नौ यात्रियों की पहचान करके नीचे उतार लिया और कुछ दूर ले जाकर उन्हें गोली मार दी जिन यात्रियों को गोली मारी गयी है वे पूर्वी पंजाब के रहने वाले थे। प्रवक्ता ने कहा कि हमलावरों ने तीन अलग-अलग स्थानों काकत, मस्तुंग और सुर-दकाई पर हमले किए थे। पुलिस ने शव बरामद कर लिए हैं। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए इसे जघन्य करार दिया है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने उनके हवाले से कहा,''हम आतंकवाद से कड़ाई से निपटेंगे और जिन लोगों ने निर्दोष लोगों की हत्या की है, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा।'' इस घटना के बाद सुरक्षा बलों ने अन्य यात्रियों की तलाश के लिए खोज अभियान शुरू कर दिया गया है। हमलावरों की तलाश की जा रही है। किसी संगठन ने फिलहाल इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

मीरापुर में चिकित्सा विभाग की अवैध पैथोलॉजी लैब और अवैध क्लीनिकों पर छापेमारी

दो पैथोलॉजी लैब व दो अस्पताल सील किये, कई को नोटिस दिए
क्लीनिक में चलता मिला एक्सरे सेंटर भी सील किया।

मीरापुर, 11 जुलाई (बु.)। कस्बे में चल रहे अवैध अस्पतालों, क्लीनिकों व पैथोलॉजी लैब पर चिकित्सा विभाग की टीम ने ताबड़तोड़ छापेमारी कर दो पैथोलॉजी लैब, दो क्लीनिक सील कर दिए तथा कई पैथोलॉजी लैब व क्लीनिक संचालकों को नोटिस दिया। छापेमारी के दौरान कई क्लीनिक व पैथ लैब संचालक मौके पर मौजूद नहीं मिले व पंजीकरण का कोई प्रपत्र नहीं मिला। इस दौरान टीम ने एक क्लीनिक में चल रहे एक्सरे सेंटर को भी सील कर दिया। छापेमारी से अस्पताल व लैब संचालकों में हड़कंप मच गया।

कस्बे में कई अवैध अस्पतालों व अवैध पैथोलॉजी लैब संचालित होने की सूचना पर शुक्रवार की दोपहर जिला अस्पताल में तैनात डीएसओ डॉ. विक्रांत व जानसठ चिकित्सा प्रभारी डॉ. अजय कुमार टीम के साथ मीरापुर पहुँचे। टीम ने सबसे पहले यहाँ बिना पंजीकरण के चल रही डॉ. लाल पैथोलॉजी लैब व भारत पैथोलॉजी लैब पर छापा मारा तथा पंजीकरण का कोई प्रमाण पत्र न मिलने पर टीम ने दोनों लैब को सील कर दिया। इसके बाद टीम ने लाइफ केयर पैथोलॉजी लैब व हेल्थकेयर पैथोलॉजी लैब पर छापा मारा तथा दोनों लैब पर अनियमितता मिलने पर टीम ने दोनों के संचालकों को नोटिस दिया। इसके बाद टीम ने भूम्मा रोड पर स्थित शिफा फिजियोथेरेपी क्लीनिक पर छापा मारा, तो यहाँ टीम को एक्सरे सेंटर भी चलता मिला। जब टीम ने एक्सरे सेंटर के पंजीकरण प्रपत्र मांगे, तो वहाँ कुछ नहीं मिला। जिस पर चिकित्सा विभाग की टीम ने इसे सील कर दिया। इसके बाद टीम कुछ दूरी पर चल रहे धन्वंतरि बाबा क्लीनिक पर पहुँची, तो यहाँ हड़कम्प मच गया। पंजीकरण का कोई प्रमाण पत्र नहीं मिलने पर टीम ने यहाँ भी सील लगा दी। इसके बाद चिकित्सा विभाग की टीम न्यू भारत अस्पताल में पहुँची, तो यहाँ भारी अनियमितता मिली। यहाँ मौजूद स्टाफ टीम को कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका, तो चिकित्सा विभाग की टीम ने इनके संचालक को नोटिस दिया। कुछ ही दूरी पर स्थित डॉ. सतीश डेंटल क्लीनिक को भी टीम ने नोटिस दिया। छापेमारी के दौरान कस्बे के समस्त मैडिकल स्टोर, पैथोलॉजी लैब व ज्यादातर अस्पताल व क्लीनिक बन्द हो गए।

......इन्होंने कहा कि अवैध पैथोलॉजी लैब व अवैध क्लीनिकों के संचालित होने की शिकायत मिलने पर छापेमारी की कार्यवाही की गई है। कुछ लैब व क्लीनिक सील किये गए हैं, जबकि कुछ को नोटिस दिए गए हैं, कार्यवाही लगातार जारी रहेगी।

-डॉ अजय कुमार सीएचसी प्रभारी जानसठ

मीरापुर में छापेमारी करती चिकित्सा विभाग की टीम

जब पंजीकरण प्रमाण पत्र ठीक तो बन्द क्यों

मीरापुर। मीरापुर कस्बे में क्लीनिकों, मैडिकल स्टोरों व पैथोलॉजी लैब की भरमार है तथा इन सभी के संचालक अपने सभी प्रपत्र पूर्ण व सही होने के बड़े-बड़े दावे करते हैं, किंतु जब भी चिकित्सा विभाग या ड्रग इंस्पेक्टर मीरापुर में छापेमारी या जांच के लिए आते हैं, तो ये सभी धड़ाधड़ बन्द हो जाते हैं। यदि प्रपत्र सही हैं, तो ये अपने संस्थान बन्द करके क्यों भागते हैं। आमजन के बीच ये सवाल चर्चा का विषय बना हुआ है।

ट्रक की टक्कर से इंजीनियर की मौत

मुजफ्फरनगर, 11 जुलाई (बु.)। नई मंडी कोतवाली क्षेत्र के गांव मखियाली में उस समय बाइक सवार सॉफ्टवेयर इंजीनियर की मौत हो गयी, जब भोपा रोड पर गांव मखियाली के पास ट्रक ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। 32 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर अनिल कुमार सिखेड़ा थाना क्षेत्र के गांव भंडूरा का निवासी था और पिछले कई वर्ष से नोएडा की एक कम्पनी में काम कर रहा था। कुछ समय पहले नई मण्डी कोतवाली के गांधी नगर में अनिल ने इलेक्ट्रॉनिक सामान बेचने का शोरूम खोला था। वह शोरूम से ही अपनी बाइक से घर जाने के लिए चला था। टक्कर मारने के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। नई मण्डी पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है।

कोतवाली के बाहर मारपीट करने वाले कांवड़ियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर, 11 जुलाई (बु.)। गुरूवार को शहर कोतवाली के बाहर कांवड़ियों की कांवड़ खंडित होने के बाद उन्होंने पुलिस के सामने ही मौहल्ला गांधीनगर निवासी शशिकान्त की पिटाई कर दी थी। बामुश्किल शशिकान्त को बचाकर पुलिस शहर कोतवाली के अंदर ले गयी थी। कांवड़ खंडित होने पर कांवड़ियों ने कोतवाली के बाहर ही जाम लगा दिया था, जिसे पुलिस ने कांवड़ियों के लिए गंगाजल मंगाकर जाम खुलवाने में कामयाबी हासिल की थी और शशिकान्त को समझा-बुझाकर घर भेज दिया था मगर शुक्रवार को नई मण्डी कोतवाली क्षेत्र के गांधीनगर निवासी शशिकान्त ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि वह गुरूवार की दोपहर लद्दावाला स्थित केनरा बैंक में किसी काम से गया था। इस दौरान ही उक्त पूरी घटना हुई। कल घटना के बाद आज शशिकान्त में कांवड़ियों के प्रति आक्रोश दिखा और उसने शहर कोतवाली में तहरीर देकर अज्ञात कांवड़ियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज का दिया।

छात्रा ने युवक व उसकी मौसी पर लगाया फोटो वायरल करने का आरोप

मुजफ्फरनगर, 11 जुलाई (बु.)। नगर के मौहल्ला दक्षिणी खालापार निवासी एक छात्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि एक दक्षिणी खालापार निवासी सुहैल की उसके साथ दोस्ती हो गई थी। दोनों फोन पर भी बात करने लगे। कुछ दिन बाद आरोप है कि सुहैल युवती से सम्बंध बनाने का दबाव बनाने लगा। जब वह नहीं मानी तो उसके साथ छेड़छाड़ और आपत्तिजनक टिप्पणी करने लगा। इसके बाद भी सुहैल नहीं माना और उसके कुछ फोटो सोशल मीडिया पर उसी के नाम से आईडी बनाकर वायरल कर दिए। जब उसने विरोध किया तो आरोपी ने उसके साथ मारपीट की। आरोप है कि सुहैल के साथ-साथ उसकी मौसी मंगलौर उत्तराखण्ड निवासी रेशमा ने भी युवती से मारपीट की और युवती पर बात करने का दबाव बनाया। फिलहाल पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर आरोपी व उसकी मौसी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

चर्चा का विषय बना पूर्व जिलाध्यक्ष का यह कहना कि उनके दो नेताओं को फोटो खिंचवाने से ही फुर्सत नहीं

मुजफ्फरनगर, 11 जुलाई (बु.)। कभी-कभी पार्टी में फूट हो जाने पर कई नेता यह भूल जाते हैं कि क्या बात सार्वजनिक करनी है और क्या बात बंद कमरे में बैठकर हाईकमान से करनी है। ऐसी ही एक चूक पूर्व जिलाध्यक्ष सतपाल पाल से उस समय हो गयी जब वह किसी ग्रुप में चैटिंग कर रहे थे। चैटिंग करते करते वह भूल गए कि वह भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष रह चुके हैं। उन्होंने अपने ही दो बड़े नेताओं पर कटाक्ष करते हुए यह कह दिया कि इन्हें तो फोटो खिंचवाने से ही फुर्सत नहीं है। इतना ही नहीं अपनी ही सरकार में उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि पीडब्लूडी ने एक सड़क बनाई है, जिसमें मलाई-मलाई खाने का काम करते हैं और जिस काम में ज्यादा मेहनत होती है उस पर बिल्कुल ध्यान नहीं देते। लम्बी बातें करते हुए उन्होंने यह भी कह डाला कि सरकार को ठीक ठाक पैसा दे रही है, लेकिन जिले के अंदर काम करने वालों को कोई चिंता नहीं है। उन्होंने शिवचौक के पास आलू मण्डी के बाहर स्थित पुलिया को तोड़कर रोड बराबर करने की बात कही और कहा कि ऐसा होते ही शिवचौक पर पानी भरने की ऊंचाई घट जाएगी और शहर टापू नहीं बनेगा, इन सब बातों पर बुद्धिजीवियों ने जवाब देते हुए कहा कि पूर्व जिलाध्यक्ष जी सरकार तो आप ही की है तो फिर इस सरकार में नेता क्यों काम नहीं करते और अधिकारी क्योंकि किसी की सही बात भी नहीं सुनते। इसका जवाब पूर्व जिलाध्यक्ष द्वारा नहीं दिया गया। ऐसे में यह तस्वीर तो साफ हो गयी कि आए दिन लोग सरकार के नेताओं पर कार्य न करने के जो आरोप लगा रहे हैं, वह वास्तव में सही हैं, क्योंकि खुद गरिमामयी पद पर आसीन रहे जिम्मेदार पूर्व जिलाध्यक्ष स्वयं इस बात को स्वीकार कर रहे हैं कि हां वास्तव में उपरोक्त बातें सब सही हैं, पूर्व जिलाध्यक्ष के मुख से ये बातें निकलने के बाद पक्की मोहर लग गयी कि हां भाजपा के नेता काम नहीं कर रहे हैं और इस शासन में अधिकारी मलाई चाट रहे हैं। अब देखना यह होगा कि जिलाध्यक्ष की ये सच्ची बातें कहीं हाईकमान को तो बुरी नहीं लग जाती।

पुलिस फायरिंग में घायल बदमाश का उपचार कराती पुलिस।

युवक पर धारदार हथियारों से हमला

खतौली, 11 जुलाई (बु.)। नगर की गीतापुरी कॉलोनी निवासी शंकर उर्फ मिंटू पर बीती रात कॉलोनी में ही तीन अज्ञात युवकों ने धारदार हथियारों से हमला कर दिया तथा हमलावर घटना के बाद मौके से फरार हो गए। स्थानीय लोगों द्वारा घायल को सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें हायर सेंटर के लिए रैफर कर दिया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच के बाद हमलावरों की तलाश शुरू कर दी है।

रिमझिम बौछारों के बीच शुरू हुआ गर्मी से राहत का सिलसिला

दिन में 6.2 एमएम बारिश से गर्मी से राहत, मौसम हुआ सुहाना
धान व गन्ना किसानों के खिले चेहरे, पैदावार होगी इससे अच्छी

मुजफ्फरनगर, 11 जुलाई (बु.)। दिल्ली-एनसीआर के साथ वेस्ट यूपी में बीते कई दिनों से मौसम के बदले मिजाज के बीच में मानसून लगातार मेहरबान बना हुआ है। ऐसे में उत्तर भारत के कई राज्यों के साथ मुजफ्फरनगर में भी आज बारिश देखने को मिली है। इससे पहाड़ी राज्यों में बारिश से नुकसान होने व मैदानी इलाकों में तेज बारिश के कारण जलभराव की समस्या से परेशान होना पड़ रहा है। हालांकि बारिश ने किसानों के चेहरों पर खुशी ला दी है, क्योंकि धान की रोपाई के लिए खेतों में अच्छा पानी हो जाने के साथ गन्ना किसानों को भी फायदा हुआ है। मौसम विभाग की ओर से अभी भविष्य में भी वेस्ट यूपी में भी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

भारत मौसम विभाग की ओर से उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों के लिए अपडेट जारी किया गया है। इसके चलते 12 जुलाई और इससे आगे मौसम परिवर्तनशील रहने वाला है और कई क्षेत्रों में बारिश होने का पूरा अनुमान है। इस बीच तेज से अति तेज बारिश होने को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। बारिश के साथ-साथ बिजली गिरने की घटनाएं भी होने की आशंका भी जताई गई है। मौसम विभाग के जारी अलर्ट के बीच में बारिश के कारण एनसीआर में मौसम सुहाना बना हुआ है। कई इलाकों में बारिश ने लोगों को परेशान भी किया है। जहां जलभराव से वाहनों के आगमन में परेशानी हुई है, मौसम विभाग की ओर से आने वाले दिनों में भी हल्की बारिश और बादल छाए रहने की संभावना जताई गई है। शुक्रवार को मौसम में बदलाव के बीच दिल्ली-एनसीआर समेत वेस्ट यूपी में रिमझिम बारिश के साथ झमाझम बारिश का कई दौर में क्रम जारी रहा। जनपद मुजफ्फरनगर की बात की जाए तो सावन माह से पूर्व जारी बारिश का क्रम शुक्रवार को पहले दिन भी जारी रहा। हालांकि इस बीच नगर में 6.2 एमएम बारिश होने के साथ अधिकतम तापमान 31.6 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान 26.5 डिग्री सेल्सियस के साथ आर्द्रता 90 प्रतिशत दर्ज की गई। शुक्रवार को नगर क्षेत्र में प्रातः शुरू हुई रिमझिम बौछारों का क्रम दिन में कई बार चला, जिससे गंतव्य की ओर बढ़ते हुए तमाम शिवभक्तों को राहत मिली, वहीं बीते कई दिनों की बारिश से जनपद के गन्ना किसानों के साथ धान की फसल उगाने वाले किसानों को बड़ी राहत दिखाई दी। शुक्रवार को हुई बारिश के साथ दिनभर सूर्यदेव और बादलों के बीच लुका-छिपी का खेल यूं ही जारी रहा और लोगों ने भीषण गर्मी व उमस से राहत की सांस ली।

किशोर गंगनहर में समाया

खतौली, 11 जुलाई (बु.)। गंगनहर में नहाने गए 15 वर्षीय चित्रांश निवासी बालाजीपुरम कॉलोनी खतौली अचानक गंगनहर के गहरे पानी में समा गया। गंगनहर में युवक को डूबता देख वहां मौजूद लोगों द्वारा तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी तो कोतवाली प्रभारी ब्रजेश शर्मा, उपनिरीक्षक विक्रान्त पुलिसबल के साथ मौके पर पहुंचे और गोताखोरों, एनडीआरएफ की टीम की मदद से गंगनहर में युवक की तलाश के प्रयास किये पर घंटों की मशक्कत के बाद भी युवक का पता नहीं चल सका।

दान पात्र से नकदी चुराने वाला चोर मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

भोपा, 11 जुलाई (बु.)। भोपा थाना क्षेत्र के भोकरहेड़ी के लोकुपुरा मोहल्ला में स्थित बैरागी शिव मंदिर से पुजारी की अनुपस्थिति का फायदा उठाकर दानपात्र से नकदी चुराने वाले चोर को भोपा पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए चोर ने कई घटनाओं का खुलासा किया है।

भोपा थाना क्षेत्र के भोकरहेड़ी के लोकुपुरा मोहल्ला में स्थित बैरागी शिव मंदिर को सुनसान देख अज्ञात चोर मौका देखकर मंदिर में घुस गया और मंदिर में रखे दान-पात्र का ताला तोड़ दिया और उसमें रखी नकदी चुरा ली। मंदिर के पुजारी इंद्रपाल ने अज्ञात चोर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी वहीं चोरी की घटना से ग्रामीणों में रोष फैल गया था। मामले में थाना प्रभारी निरीक्षक ओमप्रकाश सिंह ने बताया कि गुरूवार की रात भोपा पुलिस ग्राम भोकरहेड़ी मार्ग पर चैकिंग कर रही थी। इसी दौरान भोकरहेड़ी की तरफ से एक संदिग्ध मोटरसाईकिल आती हुई दिखाई दी, जिसे पुलिस टीम द्वारा चैकिंग हेतु रुकने का इशारा किया गया, लेकिन वह नहीं रुका और तेजी से भागने लगा। पुलिस टीम द्वारा उसका पीछा किया गया। जिस पर उसने मोटरसाइकिल को बहुपुरा से पहले कच्चे रास्ते पर मोड़ दिया गया, जहां उसकी मोटरसाईकिल अनियंत्रित होकर गिर गयी। पुलिस टीम द्वारा बदमाश की घेराबन्दी की गयी, तो उसने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। पुलिस द्वारा की गई जवाबी फायरिंग में बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गया, जिसके बाद उसे घायल अवस्था में गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपी बदमाश ने अपना नाम मुकेश पुत्र मोतीराम निवासी ग्राम सिताबपुरी थाना भोपा बताया। आरोपी के कब्जे से एक तमंचा, जिन्दा व खोखा कारतूस, मंदिर से चोरी 39,300 रुपए और एक पीतल का घंटा बरामद हुए। पूछताछ में गिरफ्तार बदमाश द्वारा बताया गया कि उसने भोकरहेड़ी में शिव मन्दिर के दान पात्र से 35,000 हजार रुपए तथा थाना क्षेत्र बुढ़ाना के ग्राम दुर्गनपुर खेड़ा में भी एक मन्दिर के दानपात्र से 4,000 रुपए व मन्दिर में लगे एक पीतल के घंटे की चोरी की गयी थी। इसके साथ ही उसने अपने एक साथी के साथ मिलकर जनपद मेरठ के कंकरखेड़ा थाना क्षेत्र में एक मन्दिर के दान पात्र से 3,500 रुपये की चोरी की थी। पूछताछ के बाद आरोपी को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिसके बाद शुक्रवार को उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

बिजली कम्पनियां 45% तक की बढ़ोतरी की तैयारी में

लखनऊ, 11 जुलाई (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में आम जनता की जेब को फिर से बड़ा झटका लग सकता है। बिजली कंपनियों ने दरों में रिकॉर्ड 45% तक की बढ़ोतरी का प्रस्ताव विद्युत नियामक आयोग के सामने रखा है। बुधवार को इस पर पहली जनसुनवाई कानपुर के केस्को मुख्यालय में, तो शुक्रवार को पूर्वांचल बिजली वितरण क्षेत्र के उपभोक्ताओं की सुनवाई वाराणसी में हुई। इसमें उपभोक्ताओं, कारोबारी संगठनों और परिषदों ने मीटर रीडिंग से लेकर बिलिंग गड़बड़ी, ट्रिपिंग और ओवर चार्जिंग तक के मुद्दे गिनाते हुए विरोध दर्ज कराया। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने आरोप लगाया कि प्रदेश में उपभोक्ताओं का 33,122 करोड़ रुपए का सरप्लस है। फिर भी कंपनियां दरों में बढ़ोतरी कर जनता पर बोझ डाल रही हैं। प्रस्ताव के लागू होते ही घरेलू उपभोक्ताओं के बिल 30 से 45% तक बढ़ सकते हैं। नई दरों में प्रति यूनिट रेट 8 से 12 रुपए तक पहुंच जाएगा। आयोग टैरिफ याचिका पर आपत्तियों की सुनवाई जुलाई में पूरी कर लेगा। सितंबर तक नई दरों के लागू होने की बात कही जा रही है। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद की दलील है कि जब किसी राज्य में उपभोक्ताओं का बिजली कंपनियों पर 33,122 करोड़ सरप्लस निकल रहा है, तब कोई भी कानून दरों में बढ़ोतरी की इजाजत नहीं देता।

बिटकॉइन ने रचा डाला इतिहास

नई दिल्ली, 11 जुलाई (एजेंसी)। दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे पुरानी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन ने शुक्रवार 11 जुलाई को इतिहास रच दिया। बिटकॉइन की कीमत पहली बार 1 करोड़ रुपये के पार पहुंच गई। आपको बता दें कि बिटकॉइन के भाव करीब 6 फीसदी की तेजी के साथ 1,18,033 डॉलर पर कारोबार कर रहे थे। बिटकॉइन की कीमतों में हालिया तेजी के पीछे मुख्य संस्थागत निवेशकों की ओर से बढ़ी मांग और अमेरिका में बिटकॉइन में रिकॉर्ड निवेश को माना जा रहा है। चेयरमैन हिमांशु मराड़िया ने कहा कि बिटकॉइन ने $118,000 का आंकड़ा पार कर नया ऑल-टाइम हाई बना लिया है। यह उछाल हालिया कंसॉलिडेशन के बाद तेजी से लौटे बुलिश सेंटिमेंट और संस्थागत निवेशकों की मांग के चलते आया है। अकेले ब्लैकरॉक ने 65 अरब डॉलर से ज्यादा का बिटकॉइन जमा किया है।

इंटरनेट स्पीड पर जापान का वर्ल्ड-रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 11 जुलाई (एजेंसी)। जापान ने एक बार फिर दुनिया को दिखा दिया है कि डिजिटल कनेक्टिविटी की दौड़ में वह सबसे आगे है। जापान के वैज्ञानिकों ने 1.20 लाख गीगाबाइट प्रति सेकेंड की इंटरनेट स्पीड हासिल करके एक नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है, जो इंटरनेट डेटा ट्रांसफर की अब तक की सबसे तेज गति है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि का अर्थ है कि एक सेकंड में 10,000 से अधिक 4डी फिल्में डाउनलोड की जा सकती हैं या नेटफ्लिक्स की पूरी लाइब्रेरी पलक झपकते ही आपके सिस्टम में आ सकती है। तुलना करें तो यह स्पीड भारत की औसत इंटरनेट स्पीड से लगभग 1.6 करोड़ गुना तेज है। मार्च 2024 में भी जापान ने ही 402 टेराबिट्स प्रति सेकंड की स्पीड का रिकॉर्ड बनाया था, लेकिन इस बार नई तकनीक ने इस आंकड़े को दोगुना से अधिक कर दिया।

रामपुर तिराहा कांड की सुनवाई अब 17 जुलाई को

मुजफ्फरनगर, 11 जुलाई (बु.)। रामपुर तिराहाकांड से जुड़े सरकार बनाम एसपी मिश्रा व ब्रजकिशोर मामले में सुनवाई नहीं हो सकी। सुनवाई के लिए 17 जुलाई की तिथि निर्धारित की गई है। 1 अक्तूबर 1994 की रात्रि पृथक राज्य की मांग के दिल्ली जा रहे उत्तराखंड के आंदोलनकारियों को पुलिस ने रामपुर तिराहे पर रोक लिया था। आरोप है पुलिस फायरिंग में सात आंदोलनकारियों की मौत हो गई थी, जबकि महिलाओं से छेड़छाड़ और दुष्कर्म के आरोप भी लगे थे। इस मामले में सीबीआई की तरफ से हाईकोर्ट के आदेश पर 7 मुकदमे दर्ज कराए थे। उत्तराखंड सघर्ष समिति के वरिष्ठ अधिवक्ता अनुराग वर्मा ने बताया कि सरकार बनाम एसपी मिश्रा व ब्रजकिशोर मामले में सुनवाई नहीं हो सकी। सुनवाई के लिए 17 जुलाई की तिथि निर्धारित की है।

बाबा के वेश में घूम रहे बंगलादेशी नागरिक सहित 25 ढोंगी गिरफ्तार

देहरादून, 11 जुलाई (वार्ता) उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर गुरुवार से शुरू हुए 'ऑपरेशन कालनेमि' के तहत शुक्रवार को ही देहरादून पुलिस ने एक बंगलादेशी नागरिक सहित कुल 25 छद्मवेष वाले ढोंगी बाबाओं को गिरफ्तार किया है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अजय सिंह ने साधु-संतों का भेष धारण कर, सड़क किनारे बैठे ऐसे व्यक्तियों से स्वयं पूछताछ की। थाना नेहरू कालोनी क्षेत्र में उन्होंने सड़क किनारे बैठ, लोगों को अपना शिकार बना रहे ऐसे ही कई व्यक्तियो से व्यक्तिगत रूप से पूछताछ की तो अपने प्रोफेशन सम्बंध में वे कोई सन्तोष जनक उत्तर नही दे पाये और न ही ज्योतिष शास्त्र की शिक्षा से सम्बन्धित कोई दस्तावेज प्रस्तुत कर पाये। जिस पर उक्त सभी व्यक्तियों को पुलिस द्वारा मौके से हिरासत में लेते हुए उन्हें 170 बीएनएसएस के तहत गिरफ्तार किया गया।

एसएसपी ने बताया कि अभियान के दौरान जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में पुलिस द्वारा कार्रवाई करते हुए साधु-संतों के भेष में घूम रहे कुल 25 ढोंगी बाबाओं को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें से सहसपुर क्षेत्र में बाबा के भेष में घूम रहा एक बंगलादेशी नागरिक भी पुलिस की गिरफ्त में आया जिसके विरूद्ध थाना सहसपुर पर विदेशी अधिनियम के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया। उन्होंने बताया कि एलआईयू तथा आईबी की टीमों द्वारा उक्त बांग्लादेशी नागरिक रूकन रकम उर्फ शाह आलम (26), पुत्र आबूर, निवासी ग्राम साखीपुर, जिला टंगाईल, ढाका, बंगलादेश , पूछताछ की जा रही है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार ढोंगी बाबाओं में 20 से अधिक लोग अन्य राज्यों के रहने वाले हैं।

शेष : जनता में विश्वास....

नेताओं से तंग आकर जनता इसी तरह ऊब चुकी है जैसा लिखा जा रहा है। ना उसे भाजपा नेताओं में विश्वास रहा ना ही उसे सपा नेता में कोई विश्वास रहा ना कांग्रेस और ना ही कोई और पार्टी में। ऐसे में बस तारीफ तो बनती है कि जनता द्वारा लाख खरी खोटी सुनने के बाद फिर भी भाजपाई समस्याओं को सुनने के लिये सड़कों पर उतरते हैं और विपक्ष घर में बैठा-बैठा यही सोचता रहता है कि हमारी सत्ता कब आयेगी। अभी तो सिर्फ सत्ताधारियों को कोसने के अलावा उनके पास कोई काम नहीं है। उन्हें यह भी याद नहीं कि 2027 का चुनाव लड़ना है, सड़कों पर काम करने के लिये उतरना पड़ेगा। शायद वे भूल गये हैं कि जिले की सत्ता के सांसद उनके अपने ही हैं और उनका भी फर्ज जनता के विकास कार्यों में हाथ बटाने का है, ना कि सिर्फ सत्ता पर कटाक्ष करने का उनके विधायक भी सत्ता में तभी आयेंगे, जब उनके सांसद सिर्फ बातें ही नहीं जमीन पर काम कर-के दिखाएंगे। अभी तक तो 2027 के चुनाव में विधायकी का चुनाव लड़ने का दावा करने वाले विपक्षी किसी सड़क पर विकास कार्य कराते दिखाई नहीं पड़ रहे हैं। भाजपाई जैसे कैसे भी सही सड़कों पर हाजिर हैं। उनमें चाहे मंत्री हों या चेयरमैन जनता की नाराजगी झेलकर विकास को अंजाम तो दे रहे हैं।

यूपी में हत्या,लूट अब आम बात: अखिलेश यादव

लखनऊ 11 जुलाई (वार्ता) समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शुक्रवार को कहा कि उत्तर प्रदेश में अपराधी तत्व बेखौफ है जबकि हत्या,लूट की वारदातें आम हो चुकी हैं। श्री यादव ने यहां जारी बयान में कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार का दावा था कि अपराधी अपराध छोड़ देंगे या फिर प्रदेश छोड़ देंगे। लेकिन हकीकत यह है कि यहां सिर्फ अपराधी बेखौफ हैं प्रदेश में वही व्यक्ति सुरक्षित है जो अपराधियों की नजर से बचा हुआ है। भाजपा सरकार में पूरा प्रदेश जंगलराज में बदल गया है। हत्या, लूट, डकैती और बलात्कार तो अब रोज की आम बातें हो गई हैं। पुलिस निरंकुश हैं मुख्यमंत्री अपने भाषणों से आत्ममुग्ध है। शासन-प्रशासन गहरी नींद में सोया हुआ है। उन्होने कहा कि कोई दिन तो नहीं जाता है जब राजधानी लखनऊ सहित अन्य जनपदों में अपराधिक वारदातें न होती हों। भाजपा सरकार में दलितों को सर्वाधिक उत्पीड़न झेलना पड़ता है। कहीं दबंग दलितों की बारात में डीजे बजाने पर मारपीट पर उतारू हो जाते हैं तो कहीं दूल्हें के घोडे पर चढ़ने पर हंगामा हो जाता है। ताजा घटना बाराबंकी की हैं जहां एक दलित युवक शैलेन्द्र गौतम को मंदिर में प्रवेश से रोका गया और बेरहमी से उसकी पिटाई कर दी गई। श्री यादव ने कहा कि सच तो यह है कि अब प्रदेश में लोग आतंक और भय में जी रहे हैं। भाजपा सरकार की हर मोर्चे पर विफलता के चलते प्रदेश की दुनियाभर में बदनामी हो रही है। बच्चियां और महिलाएं अपमानित हो रही है। कानून व्यवस्था तो पूरी तरह ध्वस्त है। इस वजह से प्रदेश में न तो कोई निवेश आ रहा है और नहीं कोई उद्योग लग रहा है। बल्कि जो उद्योग लगे हैं वे भी अब बाहर जाने का मन बना रहे है। मुख्यमंत्री जी बड़े-बड़े दावे कर रहे हैं पर कोई भी दावा जमीन पर नहीं उतर रहा है।